राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHI/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 299 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,04 मई 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

केंद्रीय मंत्री थावर चंद गहलोत की बेटी का निधन

नई दिल्ली। कोरोना का कहर देश के हर हिस्से में अपना असर दिखा रहा है। सोमवार को केंद्रीय मंत्री थावर चंद गहलोत की बेटी योगिता सोलंकी का हार्ट अटैक की वजह से निधन हो गया। थावर चंद की बेटी योगिता की उम्र 43 साल थी, वह कोरोना से पीड़ित थीं लेकिन इलाज के दौरान ही उनकी हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई। पिछले करीब पंद्रह दिनों से इंदौर के मेदांता अस्पताल में योगिता का इलाज चल रहा था, लेकिन सोमवार को उन्होंने दम तोड़ दिया।

दिलीप कुमार हुए डिस्चार्ज

नई दिल्ली। मशहूर अभिनेता दिलीप कुमार की तबीयत बिगड़ गई थी, इसकारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब दिलीप कुमार की हालत में सुधार हुआ है, इसकारण उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और अब वे पहले से काफी बेहतर हैं। इसकी पुष्टि दिलीप कुमार की पत्नी सायरा बानो ने की है। सायरा बानो ने बताया कि वे अब ठीक हो रहे हैं और उन्हें रविवार को डिस्चार्ज कर दिया गया है। दिलीप कुमार को डॉक्टर्स की देखरेख में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सायरा बानो ने बताया कि डॉक्टर्स ने दिलीप कुमार को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए कहा जिसके बाद उन्हें खार के नॉन कोविड हिंदुजा अस्पताल में भर्ती किया गया था।

पाक सैनिकों ने सांबा में फिर तोड़ा युद्धविराम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। महज दो महीने के अंतराल के बाद पाकिस्तान ने सोमवार को सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में बिना किसी उकसावे के फायरिंग की। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा सुबह करीब 6.15 बजे पाक रेंजर्स ने रामगढ़ सेक्टर में बीएसएफ कर्मियों पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की।

बीएसएफ के अधिकारी ने बताया कि सीमा पर बाड़ के रख-रखाव का काम कर रहे थे जब रेंजरों ने छोटे हथियारों से गोलाबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि बीएसएफ जवानों को कोई चोट नहीं आई। रखरखाव के काम पर बीएसएफ के गश्ती दल के जवान बच गए।

कोरोना के खिलाफ जंग में न हो डॉक्टरों की कमी : मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ जंग में मानव संसाधन की बढ़ती मांग की सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समीक्षा की। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस दौरान कई अहम फैसलों को मंजूरी दी जिससे कोविड ड्यूटी में चिकित्साकर्मियों की उपलब्धता बढ़ेगी। इन फैसलों के तहत परीक्षा को कम से कम 4 महीने के लिए टाल दिया गया है और 31 अगस्त 2021 से पहले परीक्षा नहीं होगा। इससे बड़ी संख्या में क्वालिफाइड डॉक्टर कोविड ड्यूटी के लिए उपलब्ध होंगे। यह भी तय किया गया है कि मेडिकल इंटर्न्स की कोविड मैनेजमेंट में ड्यूटी लगाई जाएगी। एमबीबीएस के अंतिम वर्ष के छात्रों को भी टेली-कंसल्टिंग और हल्के लक्षण वाले मरीजों की निगरानी आदि में

लगाया जाएगा, जिससे डॉक्टरों से काम का कुछ बोझ हटेगा। फाइनल ईयर पीजी स्टूटेंड्स रेजिडेंट्स के रूप में तब तक सेवा दे सकते हैं जब तक नया बैच नहीं आ जाता है। बी.एससी/जीएनएम क्वालिफाइड नर्सेज का उपयोग सीनियर डॉक्टरों की निगरानी में फुल टाइम कोविड नर्सिंग ड्यूटी में किया जा सकता है। जो डॉक्टर कम से कम 100 दिन की कोविड ड्यूटी पूरी कर लेंगे उन्हें सरकारी भर्तियों में प्राथमिकता दी जाएगी। मेडिकल स्टूडेंट्स/प्रफेशनल्स जो कोविड ड्यूटी करेंगे उनका पहले टीकाकरण किया जाएगा। साथ ही इन्हें हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम में भी शामिल किया जाएगा। ऐसे प्रफेशनल्स जो कम से कम 100 दिन की कोविड ड्यूटी करेंगे उन्हें केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री कोविड नेशनल सर्विस सम्मान दिया जाएगा।

ममता ने राज्यपाल से मिलकर पेश किया सरकार बनाने का दावा, पांच मई को तीसरी बार सीएम पद की लेंगी शपथ

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रचंड जीत के बाद पार्टी सुप्रीमो व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार शाम में राज्यपाल जगदीप धनखड़ से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। इससे पहले शाम में ममता बनर्जी ने नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक की, जिसमें उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया। साथ ही, पार्टी की ओर से एलान किया गया कि ममता बनर्जी पांच मई को तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी। इस बार कोरोना वायरस संक्रमण के चलते ममता का शपथ ग्रहण समारोह एकदम सादे तरीके से होगा। इसकी ममता ने पहले ही घोषणा कर दी है।

ममता शाम करीब सात बजे राजभवन पहुंचीं। ममता के पहुंचने पर राज्यपाल ने गर्मजोशी से उनका स्वागत करते हुए जीत की बधाई दी। राज्यपाल व ममता के बीच करीब एक घंटे तक बैठक चलीं। इस दौरान ममता ने सरकार बनाने का दावा पेश करने के साथ सरकार के गठन सहित अन्य पहलुओं पर राज्यपाल के साथ लंबी चर्चा की। एक घंटे बाद रात करीब आठ बजे ममता राजभवन से बाहर निकलीं। हालांकि ममता ने इस दौरान मीडिया से कोई बात नहीं की और उनका काफिला सीधे कालीघाट आवास के लिए निकल गया। उल्लेखनीय है कि तृणमूल ने राज्य विधानसभा की 292 में से 213 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि भाजपा 77 सीटों पर जीत दर्ज कर मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी है।

नवनिर्वाचित विधायकों के साथ कीं बैठक- पार्टी सुप्रीमो व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक कीं। तृणमूल मुख्यालय में आयोजित बैठक के दौरान पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों ने ममता को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना। बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के महासचिव व राज्य के शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी ने बताया कि बैठक में निर्णय हुआ है कि आगामी पांच मई, बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह होगा। ममता बनर्जी लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी। मुख्यमंत्री के अलावा कैबिनेट के अन्य सदस्य भी इस दिन शपथ लेंगे। इसके साथ ही छह मई से विधानसभा का भी सत्र आयोजित किया जाएगा। इसमें सभी नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। चटर्जी ने बताया कि बैठक के दौरान प्रोटेम स्पीकर का भी चुनाव किया गया है। विधानसभा के निवर्तमान अध्यक्ष विमान बनर्जी को ही इस बार प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। बनर्जी ही सभी विधायकों को शपथ दिलाएंगे।

देशव्यापी लॉकडाउन पर हो विचार, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को दिया सुझाव

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर पर जल्द से जल्द नियंत्रण के लिए एक बार फिर से संपूर्ण लॉकडाउन लगाने की जरूरत पर बहस छिड़ गई है। लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था किस तरह चरमराती है यह देश देख चुका है, लेकिन इस बार उद्योग जगत की तरफ से ही इसकी मांग की जाने लगी है।

रविवार रात जारी एक आदेश में जहां सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा था कि वह जनहित को ध्यान में रखते हुए लॉकडाउन के विकल्प पर विचार करे ताकि कोरोना वायरस के विस्तार को रोका जा सके।

सीआइआइ ने कहा- लोगों के कष्ट को कम करने के लिए लॉकडाउन का समर्थक हूं वहीं, देश के सबसे बड़े उद्योग चैंबर सीआइआइ ने भी सरकार से आग्रह किया है कि वह देश में आम लोगों के कष्ट को कम करने के लिए व्यापक स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को सीमित करने का कदम उठाए। देश के छोटे व्यापारियों व खुदरा कारोबारियों का संगठन सीएआइटी पहले से ही लॉकडाउन के समर्थन में है।

ध्यान रहे कि पिछली बार जब कोरोना ने पैर फैलाने शुरू किए थे तो सरकार की तरफ से लॉकडाउन के फैसले की कड़ी आलोचना हुई थी, लेकिन इस बार बाहर से ही सरकार पर दबाव बढ़ाया जाने लगा है। कोरोना मामले पर सरकार की तैयारियों पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हम केंद्र व राज्य सरकारों से गंभीरता से आग्रह करते हैं कि वे किसी भी तरह की भीड़ एकत्रित होने या सुपर स्प्रेडर समारोहों पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करें। वे आम जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए वायरस की दूसरी लहर के विस्तार पर रोक लगाने के लिए लाकडाउन पर भी विचार कर सकते हैं।

जानकारों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह का सुझाव देकर सरकार के लिए लॉकडाउन पर फैसला करने का रास्ता आसान कर दिया है। वैसे केंद्र सरकार का अभी तक लॉकडाउन करने का विचार नहीं है। पिछले महीने के शुरुआत में जब कोरोना की दूसरी लहर पूरे देश को तेजी से चपेट में ले रही थी तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में भी कहा था कि लॉकडाउन अंतिम विकल्प होना चाहिए।

सीआइआइ की तरफ से रविवार देर रात जारी बयान में सरकार से आग्रह किया गया है कि वह लॉकडाउन को लेकर कदम उठाए। सीआइआइ के अध्यक्ष उदय कोटक ने कहा कि महामारी की मौजूदा स्थिति को देखते हुए लोगों का जीवन बचाना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए और राष्ट्रीय स्तर पर वायरस के विस्तार पर रोक लगाने के लिए अधिकतम कार्रवाई करने की जरूरत है।

केंद्र व राज्यों की तरफ से हेल्थ सेक्टर में ढांचागत स्थिति और सप्लाई सुधारने की जो कोशिश हो रही है उसका असर दिखने में समय लगेगा। अभी बड़ी संख्या में लोगों की जान जा रही है। जिस रफ्तार से वायरस फैल रहा है उसे देखते हुए हास्पिटल बेड, आइसीयू बेड, ऑक्सीजन व दवाइयों की मांग भी बढ़ेगी और डॉक्टरों व नर्सिंग कर्मचारियों पर दबाव भी बढ़ेगा। इसे ज्यादा दिनों तक कायम नहीं रखा जा सकता। हमें इस चुनौती को पार करने के लिए देश के भीतर और बाहर से विशेषज्ञों की राय भी लेनी चाहिए। जब वायरस के विस्तार की चेन खत्म होगी तभी हम अपनी क्षमताओं के विस्तार का कदम उठा सकेंगे।

सीआइआइ की तरफ से देश में सेना व दूसरे सुरक्षा बलों को तैनात करने का सुझाव भी दिया गया है ताकि ढांचागत सुविधाओं का विस्तार हो सके।

ऑक्सीजन की कमी फिर बनी जानलेवा

बेंगलुरु, (एजेंसी)। देशभर में कोरोना वायरस से हाहाकार मचा है। मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। इस बीच खबर है कि कर्नाटक के चामराजनगर में ऑक्सीजन की कमी के चलते 24 से ज्यादा कोरोना मरीजों की मौत हो गई है। कहा जा रहा है कि जिन मरीजों का कोरोना से इलाज चल रहा था वो सारे वेंटिलेटर पर थे। ये दूसरा मौका है जब कर्नाटक में ऑक्सीजन की कमी से मरीजों की मौत हुई है। इससे पहले शनिवार को भी राज्य 12 मरीजों की जान गई थी। हालांकि सरकार ने ऑक्सीजन की कमी की बात से इनकार किया है।

चामराजनगर जिला अस्पताल में मातम पसरा हुआ है जहां खबर सुनने के बाद मृतकों के परिजन रोते-बिलखते नजर आए। मृतकों के परिवारों ने अस्पताल में प्रदर्शन भी किया और आरोप लगाया कि यहां ऑक्सीजन की कमी थी और वहां नारेबाजी की। चामराजनगर जिला प्रभारी मंत्री एस सुरेश कुमार ने कहा कि उन्होंने घटना में जिला प्रशासन से मौत की ऑडिट रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। वह इस बात पर कायम रहे कि सभी मौतें ऑक्सीजन की कमी की वजह से नहीं हुई हैं।

कुमार ने कहा, यह कहना सही नहीं होगा कि सभी 24 मौत ऑक्सीजन की कमी की वजह से हुई हैं। मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने भी जिला के उपायुक्त से घटना के बारे में सूचना प्राप्त की है। सुरेश कुमार ने कहा कि मौत की ऑडिट रिपोर्ट से पता चलेगा कि ये मरीज किस बीमारी से ग्रस्त थे, उन्हें कोई और गंभीर बीमारियां थी और उन्हें किसी स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने कहा, जितने भी लोगों की मौत हुई है जरूरी नहीं कि सभी की मौत ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई हो। उन्होंने कहा कि 6,000 लीटर तरल चिकित्सीय ऑक्सीजन थी लेकिन ऑक्सीजन सिलेंडरों की जरूरत थी।

कुमार ने कहा, ये सिलेंडर मैसुरु से आने वाले थे लेकिन कुछ समस्या हो गई। उन्होंने कहा कि यह स्थिति राज्य के मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के निजी सचिव और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रताप रेड्डी को भी समझाई जो राज्य में ऑक्सीजन आपूर्ति के प्रभारी हैं।

महाराष्ट्र के डीजीपी ने परमबीर सिंह की जाँच से किया इंकार

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा लगाए आरोपों के बाद महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) संजय पांडे ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर कहा है कि वो परमबीर सिंह की जांच नहीं कर पाएंगे। संजय पांडे के इस पत्र के बाद अब सरकार शायद किसी और अधिकारी को इस जांच का जिम्मा सौंप सकती है। बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने परमबीर सिंह पर लगे एक के बाद एक गंभीर आरोपों को लेकर जांच के आदेश दिए थे। इस जांच को सही तरीके से आगे बढ़ाने के लिए डीजीपी संजय पांडे को इसका जिम्मा दिया गया था। ज्ञात हो कि परमबीर सिंह ने कुछ दिनों पहले बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर कर डीजीपी संजय पांडे पर कई गंभीर आरोप लगाए। परमबीर सिंह ने संजय पांडे पर आरोप लगाते हुए कहा कि वो उनके (परमबीर सिंह) के खिलाफ चल रही जांच को सेटल कर देंगे, अगर वो महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ की गई शिकायत वापस लेते हैं तो। परमबीर सिंह ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में अधिकारियों द्वारा अनिल देशमुख के खिलाफ

शुरू की गई जांच को विफल करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गवाहों के साथ भी छेड़छाड़ की जा रही है। वहीं सीबीआई को लिखे अपने पत्र में परमबीर सिंह ने दावा किया है कि उनके और वर्तमान महाराष्ट्र पुलिस प्रमुख संजय पांडे के बीच बातचीत हुई है। परमबीर सिंह ने सीबीआई को अपने पत्र में बताया कि उन्होंने डीजीपी संजय पांडे को फोन किया था और उन्हें आश्चर्य हुआ कि बातचीत के दौरान डीजीपी ने उनकी शिकायत पर सीबीआई द्वारा चल रही जांच के विषय पर बातचीत करना शुरू किया। सिंह ने आरोप लगाया कि पांडे ने उन्हें संकेत दिए कि वो उन्हें इस मुद्दे पर सलाह देना चाहते हैं। परमबीर सिंह ने कहा, उन्होंने (डीजीपी पांडे) मुझे सलाह दी कि उन्होंने कई सालों तक इस सिस्टम से लड़ाई लड़ी है, लेकिन लड़ाई कभी भी विजयी नहीं होती है, उन्होंने अपना अनुभव बताया कि कोई भी इस सिस्टम से लड़ नहीं सकता है। परमबीर सिंह ने कहा, पांडे ने कहा कि मेरे (परमबीर) खिलाफ शुरू की गई 1 अप्रैल 2021 की विभागीय जांच राज्य सरकार द्वारा चलाई गई कुछ कार्रवाइयों में से एक थी। राज्य सरकार ने कहा, वह मेरे खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज करने पर भी विचार कर रही थी। परमबीर सिंह ने पत्र में लिखा है कि डीजीपी पांडे ने उनसे कहा कि उनकी सलाह है कि मुझे सरकार से नहीं लड़ना चाहिए, भले ही मैं सही कर रहा हूं, क्योंकि यह मुझे और परेशान करेगा। पत्र में आरोप लगाया गया है कि तब डीजीपी पांडे ने परमबीर सिंह को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे अपने पत्र को वापस लेने की सलाह दी थी। पत्र सुप्रीम कोर्ट के साथ-साथ बॉम्बे हाईकोर्ट के समक्ष रिट का विषय था, जिसके परिणामस्वरूप कोर्ट ने पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ सीबीआई की इनिशियल जांच की इजाजत दी थी।

बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा- 700 गांवों में हिंसा, रेप और हत्याएं

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की शानदार जीत के बाद राज्य में हिंसा की घटनाएं शुरू हो गई हैं। बीजेपी का दावा है कि टीएमसी के गुंडे बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमले कर रहे हैं। बंगाल बीजेपी के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि टीएमसी की जीत के बाद 700 गांवों में हिंसा हुई है। महिलाओं के साथ रेप हुआ है और उनके कार्यकर्ताओं की हत्याएं हुई हैं। विजयवर्गीय ने आरोप लगाया कि बीरभूम में हमारी दो महिला कार्यकर्ताओं के साथ उठा ले गए और उनके साथ रेप किया गया। एक विशेष वर्ग के लोग 700 गांवों में लूट-पाट कर रहे हैं। पूरे राज्य में अराजकता मचा दी गई है। वहीं, कैलाश विजयवर्गीय ने जानकारी दी कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार को बंगाल का दौरा करेंगे।

बंगाल बीजेपी के प्रभारी विजयवर्गीय ने कहा कि हमने बीजेपी का एक कंट्रोल रूम बनाया है और लोगों से कहा जा रहा है कि जहां-जहां हमले हो रहे हैं, वे लोग कोलकाता आ जाएं। हम उनके लिए रुकने की जगह बना रहे हैं। इतनी अराजकता मैंने कभी भी नहीं देखी। जब भारत-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ था, तब ऐसी स्थिति रही होगी, जो राज्य में आज है। एक विशेष के लोग ही यह सब काम कर रहे हैं। पुलिस फोन नहीं उठा रही है। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि चुन-चुनकर बीजेपी कार्यकर्ताओं को पीटा जा रहा है, हत्या की जा रही है। बीजेपी कार्यकर्ताओं के घर तोड़े जा रहे हैं और दफ्तरों पर हमले हो रहे हैं। न्यूज चैनल आजतक से बात करते हुए कैलाश विजयवर्गीय ने आगे कहा कि हमने गृह मंत्रालय और गृह मंत्री जी को इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय ने भी राज्य सरकार के गृह सचिव से पूछताछ की है कि चुनाव के बाद कितनी हिंसा की घटनाएं हुई हैं, उसकी जानकारी दें।

बीजेपी के कार्यकर्ताओं को मारा जा रहा

बीजेपी नेता ने कहा कि ममता बनर्जी बेशर्मी से कह रही हैं कि हमारे कार्यकर्ताओं को मारा जा रहा है, लेकिन आज की स्थिति में कौन सोच सकता है कि टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले हों। सच्चाई यह है कि बीजेपी कार्यकर्ताओं को मारा जा रहा है। कई कार्यकर्ता घर छोड़कर चले गए हैं। बहुत ही खतरनाक स्थिति हो गई है। उन्होंने कहा कि संभव है कि कल राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बंगाल का दौरा कर सकते हैं। मैंने अपने जीवन में ऐसा राजनीतिक दंगा कभी भी नहीं देखा है, बस पाकिस्तान का विभाजन वाली बात सुनी थी। प्रशासन आंख बंद करके बैठा हुआ है।

ममता के इशारे पर हो रहीं हिंसा की घटनाएं- कैलाश विजयवर्गीय ने ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि दो सौ फीसदी ममता बनर्जी के इशारे पर यह सब हो रहा है। एक आईपीएस अधिकारी ने मुझे बताया है कि हमसे कहा गया है कि कोई फोन मत उठाइए, जो हो रहा है, होते रहने दीजिए। ममता और उनके नेताओं के इशारे पर ये सब घटनाएं हो रही हैं। माइक वाली गाड़ी से जाकर हमला हो रहा है। दुकानें लूट ली गईं और घरों से एसी तक लूट लिया गया। उन्होंने आगे कहा, कल हम मैदान में उतरेंगे और इस प्रकार की हिंसा होने नहीं देंगे। मेरी गृह मंत्री अमित शाह जी से भी कई बार बातचीत हुई है।

गृह मंत्रालय ने बंगाल से रिपोर्ट तलब की - वहीं, केंद्र सरकार ने राज्य में चुनाव परिणाम के बाद विपक्षी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर की गई हिंसा को लेकर सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट तलब की। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद कथित तौर पर भाजपा समेत विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया गया, जहां सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। एक प्रवक्ता ने ट्वीट किया, गृह मंत्रालय ने राज्य में चुनाव परिणाम के बाद विपक्षी राजनीतिक कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर की गई हिंसा को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि हुगली जिले के पार्टी कार्यालय में आगजनी की गई और राज्य में शुभेंदु अधिकारी समेत उसके कई नेताओं को तृणमूल कांग्रेस समर्थकों द्वारा निशाना बनाया गया।

कोविशील्ड की 11 करोड़ डोज के लिए केंद्र ने किया 1700 करोड़ का अग्रिम भुगतान

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने मीडिया में आई उन खबरों का खंडन किया कि सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया को वैक्सीन के लिए कोई अग्रिम राशि नहीं दी गई। मीडिया खबरों को गलत और तथ्य से परे बताते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि मई, जून और जुलाई में कोविशील्ड की 11 करोड़ डोज के लिए सरकार ने सीरम को 28 अप्रैल को ही 1732.50 करोड़ रुपये का पूरा अग्रिम भुगतान कर दिया है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि टैक्स कटौती के बाद 1699.50 करोड़ रुपये की राशि सीरम को 28 अप्रैल को प्राप्त हो चुकी है। दस करोड़ डोज के गत आर्डर के सापेक्ष में तीन मई तक कोविशील्ड की 8.744 करोड़ डोज प्राप्त हो चुकी हैं।

इसी तरह भारत बायोटेक को भी मई, जून और जुलाई में पांच करोड़ कोवैक्सीन की डोज के लिए 28 अप्रैल को पूरी अग्रिम राशि 787.50 करोड़ रुपये दी जा चुकी है। दो करोड़ डोज के पिछले आर्डर के सापेक्ष भारत बायोटेक ने तीन मई तक कोवैक्सीन की 0.8813 करोड़ डोज की आपूर्ति की है। मंत्रालय ने कहा कि यह कहना गलत है कि सरकार ने वैक्सीन निर्माता कंपनियों को नया आर्डर नहीं दिया और अग्रिम भुगतान नहीं किया है।

सीरम ने राशि प्राप्त करने की पुष्टि की

सीरम ने सोमवार को इस बात की पुष्टि की कि मई, जून और जुलाई में 11 करोड़ डोज की आपूर्ति के लिए भारत सरकार से 28 अप्रैल को 1732.50 करोड़ रुपये की शत-प्रतिशत अग्रिम राशि प्राप्त हो चुकी है। कंपनी की ओर से इसकी जानकारी ट्वीट के माध्यम से दी गई और सरकार के बयान को सही बताया गया। कंपनी ने कहा कि हम लोगों का जीवन बचाने के लिए पूरी क्षमता और पूरे जोरशोर से वैक्सीन के उत्पादन में लगे हैं।

धमकी पर शिकायत दर्ज कराएं पूनावाला- उधर, महाराष्ट्र सरकार ने सीरम के सीईओ अदार पूनावाला से कहा कि कथित धमकियों को लेकर उनको पुलिस में शिकायत दर्ज कराना चाहिए। राज्य सरकार उनकी शिकायत पर गहराई से जांच कराएगी। राज्य के गृह मंत्री शंभूराजे देसाई ने सोमवार को मुंबई में पत्रकारों से कहा कि पूनावाला को पूरे विवरण के साथ पुलिस में शिकायत दर्ज कराना चाहिए कि उनको किन-किन लोगों और किन फोन नंबरों से धमकी दी गई। हम उसकी गहराई से जांच कराएंगे। इस बीच, महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने पूनावाला से आग्रह किया कि उन्हें भारत लौट आना चाहिए और आश्वस्त किया कि उनकी पार्टी उनको पूरी सुरक्षा देगी।

कार्टून

म्यांमार में सेना की फायरिंग में 8 प्रदर्शनकारियों की मौत

नेपीता, (एजेंसी)। म्यांमार में सैन्य शासन के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों को दबाने के लिए सेना की तरफ से की गई गोलीबारी में 8 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। यह घटना रविवार को उस समय हुई जब लोग स्प्रिंग रिवॉल्यूशन के तहत सड़कों पर सेना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। इस प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना है कि हमारा मकसद दुनिया को म्यांमार में लोगों पर हो रहे अत्याचार की तरफ ध्यान दिलाना है। इस प्रदर्शन का नेतृत्व अब बौद्धा भिक्षु कर रहे हैं। लगातार यांगून और मंडले शहर में सेना की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन चल रहे हैं। लोकल मीडिया के मुताबिक, वेटलेट शहर में तीन लोगों को गोली मारकर हत्या की गई है। वहीं, शान स्टेट की कुछ बस्ती वाले इलाकों में दो लोगों की हत्या की गई है।

इससे पहले रविवार को यांगून के पुलिस बैरक के बाहर बम ब्लास्ट हुआ था। इसके अलावा शहर के कई इलाकों में ब्लास्ट की घटनाएं हुईं थीं। इनमें एक प्रशासनिक अधिकारी के घर के बाहर यह घटना हुई। इसमें एक शख्स के घायल होने की खबर आई थी। वहीं, अस्टिटेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिक्ल प्रिजनर ने बताया कि देश में चल रहे अलग-अलग प्रदर्शन में अबतक 759 लोगों की जान चली गई है। 1 फरवरी को देश में सेना ने तख्तापलट कर दिया था। इधर, सेना ने अब सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही सूचनाओं पर नियंत्रण करना शुरू कर दिया है। सेना ने कई पत्रकारों को भी गिरफ्तार किया है। इसके अलावा कई स्वतंत्र मीडिया पर भी बैन लगा दिया है। यहां चल रहे प्रदर्शनों को भी रोकने के लिए सेना दमन नीति अपनाई हुई है।

6 लाख की आबादी वाले मोंटेनेग्रो बना रोल मॉडल

लंदन, (एजेंसी) । पूर्वी यूरोप के बेहद दर्शनीय देश मोंटेनेग्रो में लंबे अर्से के बाद रविवार को चहलकदमी दिखाई दी है। ईस्टर के मौके पर मिली छूट के बाद लोग पूरे एहतियात के साथ सुबह चर्च, रेस्त्रां के बाहर दिखाई दिए। 6 लाख की आबादी वाले इस देश में हर साल आबादी से तीन गुना पर्यटक आते हैं। यही वजह है कि जब कोरोना की आहट शुरू हुई तो टूरिज्म की वजह से यहां कोरोना सबसे तेजी से फैला और इस देश को सख्त लॉकडाउन लगाना पड़ा। पूरी दुनिया से खुद को अलग कर लिया।

देश की 25 फीसदी इकोनॉमी पर्यटन पर ही निर्भर है और बाकी बड़ा हिस्सा खेती का है। अब इस छोटे से देश ने अपनी देश की इकोनॉमी को उबारने के लिए अपनी सीमाएं खोल दी हैं। इस देश में करीब 10 फीसदी आबादी संक्रमित हो चुकी थी, लेकिन अब स्थिति सामान्य है और हर रोज 150 से कम केस आ रहे हैं।

इस सबका श्रेय यहां की जनता को जाता है, जिसने निदेर्शों का पालन किया। अपने आस पड़ोस वालों पर नजर रखी। इस देश के इतने संसाधन नहीं है कि वो पूरी आबादी पर नजर रख सके। देश के आर्थिक विकास मंत्री का कहना है कि जून में मोंटेनेग्रो दुनिया के सबसे सुरक्षित टूरिस्ट स्पॉट में से एक होगा। तब तक देश की 35 फीसदी आबादी का टीकाकरण भी हो चुका होगा।

इस देश में जनवरी में लोग टीका और साइट इफेक्ट की खबरों से संशय में थे। 40 फीसदी आबादी ही इसके लिए तैयार थी। लेकिन टीके के सकारात्मक प्रभाव के बाद लोगों की सोच में बदलाव आया है। हालिया सर्वे के मुताबिक 76 फीसदी आबादी मानती है कि सरकार और.लोगों की पहली प्राथमिकता टीका होना चाहिए। हालांकि, टीके की कमी की वजह से यह देश संघर्ष कर रहा है। सरकार का कहना है कि टीके की आपूर्ति होते ही हम बड़े पैमाने पर सेंटर बनाएंगे ताकि कोई भी व्यक्ति इससे न छूटे। यह हमारी पहली प्राथमिकता है।

पाकिस्तान के लाहौर शहर में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लगे लॉकडाउन के दौरान एक सड़क पर गश्त करते हुए सैनिक।

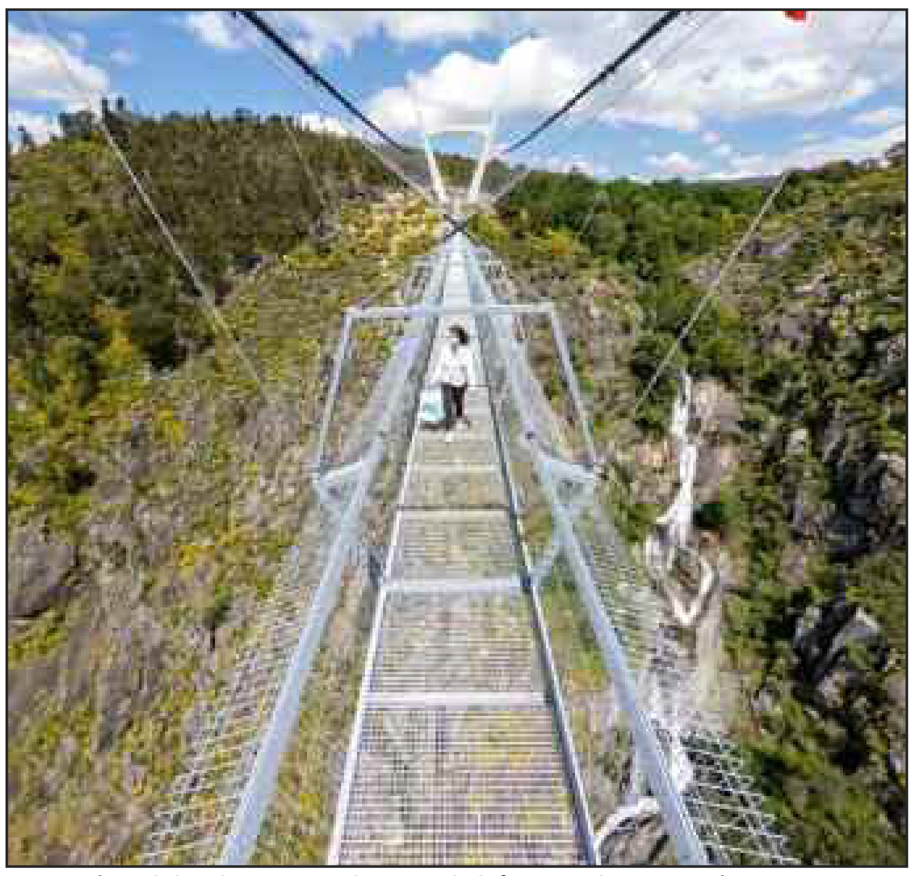

उत्तरी पुर्तगाल में केनयोन नदी पर बने एक पतले से पैदल पुल से गुजरती हुई एक महिला।

दुनिया में बीते दिन 6.79 लाख नए केस

लंदन, (एजेंसी)। दुनियाभर में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इस बीच रविवार थोड़ा राहत भरा रहा। पिछले 24 घंटे में दुनिया में 6 लाख 79 हजार 900 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। इस दौरान 9,957 लोगों की जान भी गई। सबसे ज्यादा मामले भारत में आए। यहां बीते दिन 3.70 लाख कोरोना के मामले आए। इसके बाद अमेरिका में 30,701 और ब्राजील में 28,935 मामले सामने आए। रोजाना होने वाली मौतों के मामले में भी भारत दुनिया में सबसे आगे निकल गया है। बीते दिन यहां 3,422 मौतें रिकॉर्ड की गईं। इसके बाद ब्राजील का नंबर आता है, जहां कोरोना की वजह से 1210 लोगों की जान गई। उधर, ब्रिटेन ने भारत की मदद के लिए एक हजार वेंटिलेटर और भेजने का फैसला किया है। इससे पहले ब्रिटेन ने पिछले हफ्ते 200 वेंटिलेटर और 500 ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर भेजे थे।

कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए इजरायल ने अपने देश के लोगों पर भारत सहित 7 देशों में जाने पर रोक लगा दी है। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय और स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि हम हमारे देश के लोगों से यूक्रेन, ब्राजील, इथियोपिया, साउथ अफ्रीका, मैक्सिको, तुर्की और भारत ना जाने की अपील करते हैं। ये आदेश 3 मई से लेकर 16 मई तक लागू रहेगा।

दुनिया में कोरोना के अब तक 15.34 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 32.16 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है जबकि 13.14 करोड़ लोगों ने कोरोना को मात दी है। फिलहाल 1.94 करोड़ लोगों का इलाज चल रहा है। इनमें 1.93 करोड़ लोगों में कोरोना के हल्के लक्षण हैं और 1.11 लाख लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

दुनिया भर के भारतीय दे रहे मदद

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। कोरोना वायरस के महा कहर से जूझ रहे भारत के लाखों लोगों के लिए विदेशों में रह रहे भारतीय उम्मीद की किरण बनकर उभरे हैं। सुंदर पिचाई, लक्ष्मी निवास मित्तल जैसे दिग्गज उद्योगपति हों या आम भारतीय मूल के लोग, हर व्यक्ति भारत के सांसों की डोर को थामने के लिए दिन-रात एक किए हुए है।

ये भारतीय न केवल भारतीयों की जान बचाने के लिए ऑक्सीजन कंसट्रेटर्स जैसे चिकित्सा उपकरण भेज रहे हैं, बल्कि अपनी सरकारों पर दबाव डाल रहे हैं कि वे भारत की मदद के लिए आगे आएं। यही नहीं भारतीय मूल के लोग बड़ी संख्या में पैसे इका कर रहे हैं और भारतीय कोरोना पीड़ितों की मदद कर रही संस्थाओं को दान दे रहे हैं। हालांकि भारत में महामारी की गंभीरता उनके प्रयासों में बाधा बन रही है लेकिन भारतीयों के हौसले बुलंद हैं।

पंजाब से अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में बसीं जसप्रीत राय सानराय इंटरनेशनल की मालकिन हैं जो ऑक्सीजन कंसट्रेटर्स बनाती है।

यही नहीं भारतीय मूल के अरबपति भी इस मुश्किल घड़ी में भारतीयों की मदद के लिए दिल खोलकर पैसा दे रहे हैं। टेक इन्वेस्टर विनोद खोसला विमान से सप्लाइ भेजने के इच्छुक हैं, वहीं गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई कोरोना पीड़ितों और चिकित्सा उपकरणों के लिए एक करोड़ 80 लाख डॉलर रहे हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला ने वादा किया है कि जरूरी सप्लाई के लिए उनकी कंपनी नेटवर्क बनाएगी। ब्रिटेन में रहने वाले स्टील किंग लक्ष्मी निवास मित्तल, करन बिलिमोरा जैसे दिग्गज और आम भारतीय भारत को सहायता भेज रहे हैं। ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय मूल के अरबपति मोहसिन और जुबैर इसा ने भारत के गुजरात राज्य के चार अस्पतालों को 35 लाख डॉलर की सहायता दी है। दोनों ही मूल रूप से गुजरात के रहने वाले हैं।

कोरोना के कहर से दुनिया को जल्द मिलेगी मुक्ति

लंदन, (एजेंसी)। कोरोना वायरस के कहर से भारत समेत पूरी दुनिया बेहाल है और त्राहिमाम-त्राहिमाम मचा हुआ है। विश्वभर में हर तरफ एक ही सवाल है कि इस महासंकट से मानवता को कब मुक्ति मिलेगी। इस बीच अब एक ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि कोरोना वायरस महामारी पूरे साल कई बार अपने चरम पर आएगी और फिर कम होगी। इस तरह कोरोना के कहर से पूरे साल भर दुनिया को जूझना पड़ेगा। जर्नल साइंटफिक रिपोर्ट में प्रकाशित शोध पत्र में कहा गया है कि सर्दियों में ज्यादा मामले आएंगे और गर्मियों के मौसम में कम मामले देखने को मिलेंगे। भूमध्य रेखा के पास मौजूद देशों में कोरोना वायरस के कम मामले सामने आएंगे जबकि जो देश धरती के उत्तरी और दक्षिणी हिस्से में स्थित हैं, उन्हें ज्यादा कोरोना वायरस मामलों से जूझना पड़ेगा। शोधकताओं ने 117 देशों के आंकड़े के आधार पर यह शोध प्रकाशित किया है।

इस शोध के दौरान यह जानने का प्रयास किया गया कि किसी देश की अक्षांश रेखा का वहां कोरोना वायरस के मामलों की संख्या पर क्या असर पड़ता है। इस शोध को हेइडेलबर्ग इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ जर्मनी और चाइनीज अकादमी ऑफ मेडिकल साइंसेज ने अंजाम दिया है। इसमें पाया गया कि धरती के भूमध्य रेखा से एक अक्षांश रेखा बढे पर 10 लाख की आबादी पर 4.3 प्रतिशत कोरोना वायरस मामलों की वृद्धि होती है। शोधकताओं ने कहा कि जो देश भूमध्य रेखा के पास हैं, उनमें 10 लाख की आबादी पर 33 फीसदी मामले कम हैं। उन्होंने कहा कि सूरज की यूवी लाइट कोरोना वायरस को कमजोर या मार सकती है। इसका मतलब यह है कि दुनिया में गर्मी के मौसम में कोरोना वायरस के कम मामले सामने आएंगे। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इसका मतलब यह है कि गर्मियों के मौसम में कोरोना वायरस महामारी खत्म नहीं हो जाएगी।

53 साल में पहली बार अंतरिक्ष यान की अंधेरे में लैंडिंग

न्यूयार्क, (एजेंसी)। अमेरिका के फ्लोरिडा में पनामा सिटी के पास मैक्सिको की खाड़ी में जब अंतरिक्ष यान ने 4 यात्रियों के साथ सुरक्षित लैंडिंग की, तो अंतरिक्ष की दुनिया में एक और इतिहास बन गया। 53 साल में पहली बार किसी अंतरिक्ष यान ने अंधेरे में लैंडिंग की। इससे पहले 1968 में नासा के अपोलो-8 यान ने अंधेरे में लैंडिंग की थी। तब 3 अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की कक्षा की परिक्रमा कर लौटे थे। नवंबर 2020 में रेजिलिएंस यान के जरिए अमेरिका के तीन और जापान के एक एस्ट्रोनॉट को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) भेजा गया था। इनमें नासा के माइक हॉपकिंस, विक्टर ग्लोवर, शैनन वॉकर और जापान के सोइची नागुची शामिल हैं। ये चारों 167 दिन का अब तक का सबसे लंबा मिशन पूरा कर धरती पर लौटे हैं। लैंडिंग के आधे घंटे से भी कम समय में कैप्सूल को एक रिकवरी शिप पर पानी से बाहर निकाला गया था। कुछ ही समय बाद स्पेसएक्स कर्मियों ने रेजिलिएंस यानी के साइड हैच को खोलने के लिए तैयार किया। सबसे पहले माइक हॉपकिंस बाहर निकले और कहा- ये बहुत शानदार रहा। आप सब मिलकर दुनिया बदल रहे हैं। उनके बाद बाकी सदस्य बाहर निकले। नासा की चीफ फ्लाइट डायरेक्टर होली राइडिंग्स ने कहा- चारों क्रू सदस्य पूरी तरह स्वस्थ्य हैं और बेहतर महसूस कर रहे हैं। मेडिकल जांच के बाद वे अपने परिवार और दोस्तों से मिलेंगे। 1960-70 में नासा के मरक्यूरी, जेमिनी और अपोलो समुद्र में उतरे थे। बाद में जमीन पर लैंडिंग शुरू की। 2020 में स्पेसएक्स ड्रैगन के जरिए फिर पानी में लैंडिंग शुरू की। पूर्व सोवियत के सभी यान धरती पर उतरे थे। रूस का सोयूज और चीन का शेनझोऊ भी जमीन पर उतरते हैं।

अमेरिका को बहुत गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ेगा : उत्तर कोरिया

सोल, (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने हालिया भाषण में उत्तर कोरिया को सुरक्षा के लिए खतरा बताकर और उसके प्रति शत्रुतापूर्ण नीति अपनाए रखने का इरादा जाहिर कर एक बड़ी भूल की है, इसलिए उसे बहुत गंभीर स्थिति का सामना करना होगा। बाइडन ने पिछले सप्ताह संसद में अपने पहले संबोधन में उत्तर कोरिया और ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को अमेरिकी और विश्व की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बताया था और कहा था कि अमेरिका कूटनीति एवं कड़े कदमों के जरिए अपने सहयोगियों के साथ मिलकर इन समस्याओं से निपटेगा।

उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी क्वोन जोंग गुन ने कहा, उनका (बाइडन का) यह बयान स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि वह उत्तर कोरिया को लेकर शत्रुतापूर्ण नीति कायम रखना चाहते हैं, जैसा कि आधी सदी से अधिक समय से अमेरिका करता आया है। क्वोन ने कहा, यह तय है कि अमेरिकी मुख्य कार्यकारी ने मौजूदा परिदृश्य में भूल की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की उत्तर कोरिया के प्रति नीति अब स्पष्ट हो गई है, तो हम भी उसी के अनुरूप कार्रवाई करेंगे और समय के साथ अमेरिका को पता चलेगा कि वह बहुत गंभीर स्थिति में है। उत्तर कोरिया क्या कदम उठाएगा और उनके बयान को उत्तर कोरिया नीति को आकार दे रहे बाइडन प्रशासन पर दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा सकता है।

अमेरिका के विस्कॉन्सिन के रेस्तरां में गोलीबारी में दो लोगों की मौत

ग्रीन ब, (एजेंसी)। विस्कॉन्सिन के कसीनो रेस्तरां में शनिवार रात एक बंदूकधारी की गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने हमलावर को मार गिराया। ब्राउन काउंटी के शेरिफ (काउंटी के शीर्ष अधिकारी) लेफ्टिनेंट केविन पवलाक ने कहा कि जांच अधिकारियों का मानना है कि बंदूकधारी किसी खास आदमी की तलाश में था। पवलाक ने बताया, हमलावर किसी खास व्यक्ति की तलाश में था जो वहां मौजूद नहीं था। इसके बावजूद उसने वहां कुछ लोगों पर गोलीबारी की। घटना को अंजाम देने वाले बंदूकधारी या मृत लोगों की पहचान अभी उजागर नहीं की गयी है।

भारत में मौतों पर घिरी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी

पेइचिंग, (एजेंसी)। भारत में कोरोना त्रासदी में मदद का दावा कर सहानुभूति बटोरने का प्रयास कर रहे चीन की घटिया मानसिकता को खुद उसकी ही पार्टी ने दुनिया के सामने उजागर कर दिया है। इससे चीन की सत्तारूढ़ पार्टी की देश ही नहीं दुनियाभर में जमकर किरकिरी हो रही है। दरअसल, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के एक सोशल मीडिया अकाउंट ने भारत में कोरोना त्रासदी का मजाक उड़ाया और कहा कि भारत में चिताएं ज्ल रही हैं जबकि चीन अंतरिक्ष में स्पेस स्टेशन तैयार कर रहा है। चीन की माइक्रो ब्लॉगिंग वेबसाइट वीबो पर कम्युनिस्ट पार्टी के सेंट्रल पोलिटिकल एंड लीगल अफेयर्स के अकाउंट से किए गए इस विवादित पोस्ट के बाद सोशल मीडिया में बवाल मच गया। इस पोस्ट में एक तरफ चीन के रॉकेट लॉन्च करने और दूसरी तरफ भारत में लाशों के जलाए जाने की तस्वीर को दिखाया गया है। इस पोस्ट में कैप्शन लिखा है, चीन में आग जलाना बनाम भारत में आग जलाना। इस पोस्ट पर चीन के सोशल मीडिया यूजर्स ने बहुत तीखी प्रतिक्रिया दी और कम्युनिस्ट पार्टी की भारत में कोरोना त्रासदी के प्रति असंवेदनशीलता दिखाने के लिए कड़ी आलोचना की। वीबो यूजर्स ने कहा कि यह पोस्ट अनुचित है और चीन को भारत के साथ सहानुभूति दिखानी चाहिए। इस आलोचना के बाद चीन के सरकारी भोपू ग्लोबल टाइम्स के एडिटर हू शिजिन ने लिखा कि हमें भारत के लिए मानवीयता के परचम को इस बार ऊपर उठाना चाहिए।

मैड्रिड में लास वेंटस के बुलरिंग में प्रवेश करते हुए लोग। यहां साल 2019 के बाद हुई पहली बुलफाइट में करीब छह हजार दर्शक शामिल हुए।

भारत की कोरोना से निपटने के लिए दी जा रही मदद में तेजी की अपील

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विश्व के कई देशों और प्रमुख कंपनियों ने कोविड-19 की दूसरी लहर से जूझ रहे भारत को दी जानी वाली आपातकालीन सहायता संबंधी वस्तुओं के उत्पादन एवं आपूर्ति को गति प्रदान की है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने प्रशासन को महामारी के इस संकट काल में भारत को हरस्भव सहायता मुहैया कराने को कहा है। साथ ही आश्वासन दिया है कि अमेरिका भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। अमेरिकी सहायता के तहत डलास अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से एक और विमान चिकित्सा सहायता सामग्री लेकर नयी दिल्ली रवाना हुआ है, जिसमें ऑक्सीजन सिलेंडर, एन-95 मास्क और टीके के उत्पादन में उपयोग होने वाली सामग्री शामिल है। इससे पहले चिकित्सा सामग्री एवं उपकरण लेकर दो विमान भारत पहुंचे थे। सिंगापुर ने भी शनिवार को तीन क्रायोजेनिक तरल ऑक्सीजन टैंकर भारत भेजे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंगापुर के अपने समकक्ष को फोन कर सहायता के लिए आभार जताया। वहीं, भारत में चीनी राजदूत सुन वीडोंग ने कहा कि चीन ने भारत की तरफ से ऑर्डर किए गए 40,000 और ऑक्सीजन सांद्रक के उत्पादन एवं आपूर्ति को लेकर प्रयास तेज किए हैं। प्रमुख अमेरिकी कंपनी वालमार्ट ने भारत को 20 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र एवं 20 क्रायोजेनिक कंटेनर दान करने की घोषणा की है। साथ ही कंपनी ने महामारी से निपटने में सहायता के तौर पर गैर-सरकारी संगठनों को 20 लाख डॉलर की राशि प्रदान करने की बात भी कही है। इस बीच, रूस ने कोविड-19 की रोकथाम के मद्देनजर भारत के साथ सहयोग को विस्तार देने का आह्वान किया है। रूसी कोविड-19 टीके स्पूतनिक-वी की 1,50,000 खुराक की पहली खेप भारत पहुंचने के बीच रूस ने कहा कि महामारी की रोकथाम के वास्ते वह भारत के साथ द्विपक्षीय एवं पारस्परिक सहयोग को विस्तार देने को उत्सुक है। भारत में रूस के राजदूत निकोले कुदाशेव ने कहा कि वैश्विक टीकों में स्पूतनिक टीके की प्रभाव क्षमता उच्च है और यह टीका वायरस के नए स्वरूप के खिलाफ भी प्रभावी होगा।

जल्द ही दिल्ली में 3000 टीकाकरण केंद्रों की होगी शुरुआत : सिसोदिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार द्वारा सोमवार से 18 से 45 वर्ष के लोगों के लिए मुफ़्त कोरोना वैक्सीन लगाने की शुरूआत की जा चुकी है। सोमवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने वेस्ट विनोद नगर के एक सरकारी विद्यालय में स्थित टीकाकरण केंद्र का दौरा किया और टीकाकरण संबंधी तैयारियों का जायजा लिया। उपमुख्यमंत्री ने तैयारियों का जायजा लेने के बाद मीडिया से बात करते हुए बताया कि दिल्ली सरकार ने 76 विद्यालयों में 301 टीकाकरण केंद्र की शुरूआत की है। इन सभी टीकाकरण केंद्रों पर 18 से 45 वर्ष के लोगों का टीकाकरण किया जाएगा। इन केंद्रों पर आज 45 हजार लोगों का टीकाकरण किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली को वैक्सीन की 4.5 लाख दोज मिली है और आने वाले समय में वैक्सीन की आपूर्ति के बढ़ने के साथ ही केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 3000 तक की जाएगी। उन्होंने कहा कि टीकाकरण को लेकर युवाओं में काफी उत्साह है। हमनें प्रत्येक केंद्रों में 250 लोगों को टीकाकरण के लिए अपॉइंटमेंट दिया है और इसका टर्नआउट 100% है। दिल्ली सरकार लगातार वैक्सीन उपलब्ध करवाने वाली कंपनियों के संपर्क में है ताकि बड़ी मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध हो और दिल्ली के सभी नागरिकों को वैक्सीन लगाई जा सके। क्योंकि वैक्सीन कोरोना से लड़ने में हमारी मदद करेगा।

ऑक्सीजन संकट पर बात करते हुए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि हमनें सभी से मदद मांगी है, अभी दिल्ली में ऑक्सीजन को लेकर काफी समस्या है। दिल्ली को कल भी अपने कोटे की ऑक्सीजन नहीं मिली है। मनीष सिसोदिया ने यह भी बताया कि रविवार को 590 मीट्रिक टन में से केवल 440 मीट्रिक टन ऑक्सीजन ही मिल पाई जबकि अभी दिल्ली को 976 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत है। उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने अपील करते हुए कहा कि यदि सेना के पास ऑक्सीजन सप्लाई को लेकर टैंकर मौजूद है तो उसे दिल्ली के लिए मुहैया करवाया जाए। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ अभी 500 बेड का कोरोना सेंटर चला रही है जिससे काफी मदद मिल रही है यदि डीआरडीओ अपने सेंटरों की संख्या बढ़ाता है तो ये इस महामारी के समय में काफी मददगार साबित होगा।

वहीं, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने भी अपने बाबरपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्थित बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बनाये गए वैक्सीनेशन सेंटर का दौरा कर जायजा लिया। गोपाल राय ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि आज दिल्ली के अंदर 77 केंद्रों पर वैक्सीनेशन शुरू किया गया है। यह केंद्र दिल्ली के अलग -अलग विधानसभा क्षेत्रों में खोले गए हैं। हमारी बाबरपुर विधानसभा में बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक केंद्र शुरू हुआ है। एक केंद्र पर तीन साइट बनाई गई है, ताकि लोगों की भीड़ न हो, सोशल डिस्टेंसिंग का सही तरह से पालन किया जा सके। दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि आगामी कुछ दिनों में हम दिल्ली के सभी 272 वार्ड में वैक्सीनेशन सेंटर खोलेंगे, जहां 18 साल से ऊपर के उम्र के लोगों का वैक्सीनेशन पूरा किया जा सके और लोगों को कोरोना से बचाया जा सके। वैक्सीन को लेकर दिल्ली सरकार लगातार निमार्ता कंपनियों के संपर्क में है। दिल्ली में लगातार वैक्सीन की खेप आती रहेगी और उसी के हिसाब से हम लोग सेंटर भी खोलते जाएंगे। इनके अलावा दिल्ली जल बोर्ड के वीसी राघव चड्ढा ने न्यू राजेंद्र नगर स्थित विद्या भवन सिनीयर सेकेंड्री गर्ल्स स्कूल स्थित वैक्सीन सेंटर का दौरा किया।

नई दिल्ली में सोमवार को दिल्ली सरकार द्वारा 18 से 44 वर्ष के लोगों के लिए मुफ़्त कोरोना वैक्सीन लगाने की शुरूआत की जा चुकी है। सोमवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एक टीकाकरण केंद्र का दौरा किया और टीकाकरण संबंधी तैयारियों का जायजा लिया।

6 किलोमीटर दूर श्मशान घाट के 14 हजार मांगने पर एंबुलेंस ड्राइवर गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के मुखर्जी नगर पुलिस ने अस्पताल से छह किलोमीटर की दूरी पर स्थित श्मशान घाट तक शव ले जाने के लिए 14 हजार रुपये मांगने वाले आरोपी एंबुलेंस चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपीसे पूछताछ कर रही है। घटना गत शनिवार की है। गिरफ्तार चालक कांधी लाल यमुना बाजार के प्रियदर्शनी कॉलोनी का रहने वाला है। उत्तर-पश्चिम जिले के एडिशनल डीसीपी गुर इकबाल सिंह सिंधु ने बताया कि शनिवार को मुखर्जी नगर थाने को सूचना मिली कि एक एंबुलेंस चालक संक्रमित शव को न्यू लाइफ अस्पताल से निगम बोध घाट ले जाने के लिए मनमाना शुल्क वसूल रहा है। एक पुलिसकर्मी ने मरीज का तिमारदार बनकर चालक को फोन किया और शव को न्यू लाइफ अस्पताल से निगम बोध घाट ले जाने के लिए कहा तो चालक ने 14000 रुपये की राशि देने के लिए एक पर्ची भेज दी। पुलिस ने आरोपी को शव ले जाने के लिए बुलाया और धर दबोचा।

हफ्ते भर तेज गर्मी से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के लोगों को सप्ताह भर तेज गर्मी से राहत रहेगी। इस दौरान बादलों की आवाजाही बनी रहेगी और तेज हवा के साथ बीच-बीच में छींटे पड़ने की संभावना है। इसके चलते अधिकतम तापमान 37 डिग्री तक पहुंच सकता है। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में रविवार सुबह से ही तेज चमकीला सूरज निकला रहा।

हालांकि, दिन के समय आसमान में बादलों की आवाजाही लगी रही। सफदरजंग मौसम केंद्र में दिन का अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है। वहीं न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों में आसमान में बादलों की आवाजाही लगी रही।

कोरोना के हल्के लक्षण होने पर नहीं कराएं सीटी स्कैन, कैंसर का खतरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना की दूसरी लहर के बीच दिल्ली एम्स के डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया ने बताया कि होम आइसोलेशन के मरीजों को सीटी स्कैन कराने की जरूरत नहीं है। कोरोना के हल्के लक्षण होने पर सीटी स्कैन की जरूरत नहीं है। एक सीटी स्कैन 300 एक्स-रे के बराबर है। बार-बार सीटी स्कैन कराने से बाद में कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। युवा आयु में बार-बार सीटी स्कैन कराने से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। सीटी स्कैन, बायो-मार्कर्स डॉक्टर की सलाह पर ही कराएं। संदेह होने पर पहले चेस्ट एक्स-रे कराएं, फिर सीटी स्कैन कराएं। हल्के लक्षण हैं,तब स्टेरॉयड ना लें। एम्स डायरेक्टर गुलेरिया ने कहा कि अगर हल्के लक्षण हैं, बुखार नहीं है, तब पैनिक ना हों।

दिल्ली एम्स के निदेशक डॉ.रणदीप गुलेरिया ने कहा कि आजकल बहुत ज्यादा लोग सीटी स्कैन करा रहे हैं। जब सीटी स्कैन की जरूरत नहीं है, तब उस कराकर आप खुद को नुकसान ज्यादा पहुंचा रहे हैं क्योंकि आप खुद को रेडिएशन के संपर्क में ला रहे हैं। इससे बाद में कैंसर होने की संभावना बढ़ सकती है। एम्स के निदेशक ने कहा कि होम आइसोलेशन में रह रहे लोग अपने डॉक्टर से संपर्क करते रहें। सेचुरेशन 93 या उससे कम हो रही है, बेहोशी जैसे हालात हैं, छाती में दर्द हो रहा है,तब एकदम डॉक्टर से संपर्क करें।

सोमवार को देश में कोरोना की स्थिति को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि देश में 12 राज्य हैं,जहां 1 लाख से भी ज्यादा सक्रिय मामले हैं। 7 राज्यों में 50,000 से 1 लाख के बीच सक्रिय मामलों की संख्या बनी हुई है। 17 राज्य हैं जहां 50,000 से भी कम सक्रिय मामलों की संख्या बनी हुई है।

वहीं गृह मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी ने कहा कि देश में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध है। एक अगस्त 2020 को ऑक्सीजन का उत्पादन देश में 5,700 मीट्रिक टन था, जो अब लगभग 9,000 मीट्रिक टन हो गया है। हम विदेशों से भी ऑक्सीजन का आयात कर रहे हैं।

कोरोना से बढ़ रही मौतें, अब 24 घंटे होगी श्मशान घाटों पर दाह संस्कार की निगरानी

नई दिल्ली। कोरोना से बढ़ रहे मौत के मामलों को देखते हुए दक्षिणी निगम ने शवदाह गृहों और कब्रिस्तानों की 24 घंटे निगरानी के निर्देश दिए हैं। इसके लिए निगम ने अपने चारों जोन में सहायक उपायुक्तों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। यह सहायक अधिकारी प्रतिदिन के हिसाब से निगम को कब्रिस्तान और शवदाह गृहों में होने वाले अंतिम संस्कार की जानकारी उच्च अधिकारियों को भी देंगे। वहीं, निगम ने दाह संस्कार के लिए तय स्थानों की क्षमता अब 436 तक कर दी है।

दक्षिणी निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निगमायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि शवदाह गृहों की निगरानी रखी जाए और ज़रूरत पडने पर अतिरिक्त प्रबंध भी किए जाएं। सहायक आयुक्तों को विशेष तौर पर नोडल अधिकारी बनाकर यह जिम्मेदारी दी गई है कि आवश्यकता अनुसार दाह संस्कार के लिए प्लेटफार्म भी बढ़ाए जाए साथ ही लकड़ियों की कोई कमी न हो।

दक्षिणी निगम में सीएनजी से दाह संस्कार की क्षमता शवदाह गृहों की बढ़ाई जाएगी। जहां पंजाबी बाग में दो नए सीएनजी से दाह संस्कार के प्लेटफार्म बनाए जाएंगे वहीं ग्रीन पार्क में भी दो और सीएनजी प्लेटफार्म की क्षमता को बढ़ाया जाएगा। पंजाबी बाग में फिलहाल चार प्लेटफार्म सीएनजी से दाह संस्कार के लिए उपलब्ध हैं वहीं ग्रीन पार्क में दो प्लेटफार्म हैं। निगम के अधिकारी ने बताया कि इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के माध्यम से कार्पोरेट सोशल रिस्पोंसबिलिटी (सीएसआर) फंड के माध्यम से यह अतिरिक्त व्यवस्था होगी।

उत्तरी निगम के बाद दक्षिणी निगम ने भी कब्रिस्तानों और शवदाह गृहों पर रियल टाइम मानिटरिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे अब दक्षिणी निगम की वेबसाइट https://mcdonline.nic.in/sdmcportal/ पर दाह संस्कार की उपलब्धता को देखा जा सकता है। इस पर शवदाह गृहों पर दाह संस्कार के लिए उपलब्ध स्थान को लाइव देख सकते हैं। सभी 9 स्थलों को वेबसाइट से जोड़ा गया है। जो समय-समय पर इसको अपडेट करते हैं।

नई दिल्ली में सोमवार को कोरोना संक्रमण के बचाव के लिये तुर्कमेन गेट, मस्जिद, चर्च और बाजाद में हाई पावर प्रेशर से सेनिटाईजेशन किया गया।

रेमडेसिविर कंपनियों को घरेलू बाजार में दवा बेचने की अनुमति देने की मांग पर केन्द्र से जवाब तलब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण के इलाज में व्यापक तौर पर इस्तेमाल हो रहे रेमडेसिविर बनाने वाली सभी फर्मा कंपनियों को घरेलू बाजार में इस दवा की बिक्री करने की अनुमति देने की मांग पर उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। न्यायालय ने सरकार के अलावा दवा बनाने वाली सिप्ला, जाइडस एवं कैडिला व अन्य फर्मा कंपनियों को भी नोटिस जारी कर अपना अपना पक्ष रखने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवाार कल्याण मंत्रालय, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, विदेश व्यापार महानिदेशक को नोटिस जारी किया है। पीठ ने यह आदेश दिनकर बजाज की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर दिया है। उन्होंने याचिका में कहा है कि केवल कुछ ही कंपनियों को ही घरेलू बाजार में रेमडेसिविर इंजेक्शन बेचने की अनुमति है। याचिका में कहा गया है कि अधिकांश कंपनियां सिर्फ निर्यात करने के लिए यह दवा बनाती है। उन्होंने पीठ को बताया कि केंद्र सरकार ने रेमडेसिविर का निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, ऐसे में सभी कंपनियों को रेमडेसिविर बनाने और इसे घरेलू बाजार में बेचने की अनुमति दे दी जानी चाहिए। बजाज ने पीठ के समक्ष दावा किया कि देश में 25 से अधिक कंपनियां रेमडेसिविर बनाती है, लेकिन इनमें से सिर्फ 6 से 8 कंपनियों को घरेलू बाजार में इसकी बिक्री करने की अनुमति है। उन्होंने कहा कि बाकी कंपनियां निर्यात के लिए यह दवा बनाती है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता ने पीठ को बताया कि रेमडेसिविर की कमी के कारण इसकी कालाबाजारी पूरे देश में हो रही है। उन्होंने कहा कि कालाबाजारी की मुख्य वजह बाजार में इसकी कमी है। याचिका में कहा गया है कि रेमडेसिविर की एक इंजेशक्शन एक लाख रुपये तक में बिक रही है।

रेमेडीसिविर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की ब्लैक मार्केटिंग का पुलिस ने किया भंड़ाफोड़, 186 रेमेडीसिविर, 270 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना संक्रमित मरीजों की जैसे-जैसे संख्या बढ़ रही है. उसी तरीके से रेमेडीसिवर , ऑक्सीजन, पल्स ऑक्सीमीटर, ऑक्सीजन फ्लो मीटर और दूसरे मेडिकल उपकरणों की कालाबाजारी भी जोर शोर से हो रही है. इस कालाबाजारी को रोकने और फर्जी रेमेडीसिवर इंजेक्शन का भंडाफोड़ करने के लिए दिल्ली पुलिस भी लगातार छापेमारी कर रही है.

दिल्ली पुलिस की ओर से दिल्ली ही नहीं देश के अन्य राज्यों में भी सूचना के आधार पर छापेमारी कर इस गोरखधंधे का भंडाफोड़ किया जा रहा है. दूसरी तरफ दिल्ली पुलिस की ओर से जब्त की जाने वाली मेडिकल सामग्री के जरूरत के हिसाब से अस्पतालों को मरीजों के लिये हैंडओवर किया जा रहा है.

दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता चिन्मय बिश्वाल के मुताबिक जिस तरीके से कोरोना संक्रमण का प्रसार हो रहा है. इसकी आड़ में ब्लैक मार्केटिंग और क्रिटिकल कोविड मेडिसिन और अन्य मेडिकल प्रयोग में आने वाली चीजों की कालाबाजारी करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी जोर शोर से की जा रही है.

दिल्ली पुलिस की ओर से इस तरह के मामलों पर मिलने वाली शिकायतें और सूचनाओं के आधार पर तुरंत कार्रवाई करते हुए छापेमारी की जा रही है.

प्रवक्ता के मुताबिक दिल्ली पुलिस की ओर से अभी तक बड़ी संख्या में जीवन रक्षक रेमेडीसिवर, ऑक्सीजन और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर आदि जब्त करके अस्पतालों और कोविड केयर सेंटर्स में जरूरतमंद मरीजों के लिए उपलब्ध कराया गया है.

प्रवक्ता के मुताबिक फेफड़ों में उच्च संक्रमण रोकथाम के लिये प्रयोग की जाने वाली रेमेडीसिवर के 86 इंजेक्शन बरामद किए हैं. इन सभी इंजेक्शन को दिल्ली सरकारके संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल, बाबासाहेब आंबेडकर अस्पताल, दीपचंद बंधु अस्पताल के अलावा पार्क अस्पताल, कैलाश अस्पताल, सीडीएमओ तेरापंथ छतरपुर, रोहिणी कोविड केयर सेंटर और डीडीएमए नॉर्थ आदि को हैंड ओवर किया गया है.

इसके अलावा Febipiravur की 90 टेबलेट भी बरामद की गई हैं. इन टेबलेट्स को ष्ष्ट नार्थ के आदेशों पर दीपचंद बंधु अस्पताल को दिया गया है. वहीं, 100 रेमेडीसिवर इंजेक्शन को संबंधित संबंधित अथॉरिटी से आदेश मिलने के बाद हैंड ओवर कर दिया जाएगा. इसकी प्रक्रिया जारी है.

प्रवक्ता के मुताबिक दिल्ली पुलिस की ओर से डीडीएमए वेस्ट जिला, सीडीएमओ तेरापंथ अंसारी अस्पताल, वर्ल्ड ब्रेन सेंटर हॉस्पिटल, आर्या हॉस्पिटल, भगत चंद्र हॉस्पिटल जो कि साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट में है, इन सभी को 70 ऑक्सीजन सिलेंडर भी हैंड ओवर किए गए हैं. इसके अलावा जब्त किए गए 140 ऑक्सीजन सिलेंडर को भी रिलीज करने की प्रक्रिया जारी है.

2020 के दिल्ली दंगों को कोर्ट ने विभाजन के समय हुए नरसंहार की याद दिलाने वाला बताया

नई दिल्ली। दिल्ली की कड़कड़डुमा कोर्ट ने पिछले साल 2020 के दिल्ली दंगों को विभाजन के समय हुए नरसंहार की याद दिलाने वाला बताया है. कोर्ट ने बड़े पैमाने पर हुई हिंसा के दौरान दूसरे मजहब के एक लड़के पर हमला करने के आरोपी शख्स की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की.

अग्रिम जमानत याचिका खारिज

दरअसल गिरफ्तारी के डर से आरोपी सिराज अहमद खान ने कोर्ट में अग्रिम जमानत का अनुरोध करते हुए दावा किया कि उसे इसमें गलत तरीके से फंसाया गया और उसका कथित अपराध से कोई लेना-देना नहीं है. अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कड़कड़डुमा कोर्ट के जज विनोद यादव ने कहा कि आरोपी के खिलाफ लगे आरोप गंभीर प्रकृति के हैं और सांप्रदायिक दंगे की आग भड़काने और उसकी साजिश रचे जाने का पर्दाफाश करने के लिए उसकी मौजूदगी बहुत जरूरी है.

पिछले साल नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली में भड़की थी हिंसा- पिछले साल फरवरी में नागरिकता संशोधन कानून के समर्थकों और विरोधियों के बीच हुई झड़पों के अनियंत्रित हो जाने से उत्तर-पूर्व दिल्ली में सांप्रदायिक हिस्सा भड़क गई थी, जिसमें कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 200 लोग घायल हो गए थे.

कोर्ट की गंभीर टिप्पणी

हालांकि कोर्ट ने अपने 29 अप्रैल के आदेश में कहा था यह सबको पता है कि 24/25 फरवरी 2020 के मनहूस दिन नार्थ-ईस्ट दिल्ली के कुछ हिस्से सांप्रदायिक उन्माद की भेंट चढ़ गए, जो विभाजन के दिनों के नरसंहार की याद दिलाते हैं. कोर्ट ने कहा कि जल्द ही दंगे जंगल की आग तरह राजधानी के क्षितिज तक फैल गए. नए इलाके इसकी चपेट में आ गए और बहुत सी मासूम जानें जाती रहीं.

उन्होंने कहा कि मौजूदा मामले में एक किशोर रमन पर दंगाई भीड़ ने 25 फरवरी को निर्मम तरीके से महज इसलिए हमला कर दिया था कि वह दूसरे समुदाय से था. वही मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मामले में जांच अधिकारी के जवाब से साफ है कि सीसीटीवी फुटेज में आवेदक अपने हाथ में भाला लिए साफ-साफ दिख रहा है और मामले में अन्य आरोपी उसके दो बेटे अरमान और अमन अभी तक फरार चल रहे हैं.

ऑक्सीजन संकट के बीच दिल्ली हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा- बताएं कितने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर कस्टम विभाग में अटके हैं

नई दिल्ली। दिल्ली में ऑक्सीजन को लेकर कोहराम मचा हुआ है. सुप्रीम कोर्ट, केंद्र सरकार, दिल्ली हाईकोर्ट और दिल्ली सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है. पिछले कई दिनों से ऑक्सीजन की किल्लत पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हो रही है. हर रोज हाईकोर्ट सख्त रुख अख्तियार करती है, लेकिन जमीन पर स्थितियां जस की तस बनी हुई है. बीते कुछ दिनों ऑक्सीजन की कमी से दिल्ली में 40 से ज्यादा मरीजों की मौत हो गई है. हाईकोर्ट ने सोमवार को भी केंद्र सरकार से पूछा है कि कितने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर कस्टम विभाग में अटके हुए हैं? हाईकोर्ट ने सोमवार तीन बजे तक जवाब देने को कहा था, लेकिन अब मंगलवार को इस पर केंद्र सरकार जवाब दाखिल करेगी.

हाईकोर्ट ने केंद्र से पूछा यह सवाल

बता दें कि कोर्ट ने पहले ही कह दिया था कि कोरोना के विकराल रूप को देखते हुए कस्टम की प्रक्रिया को और सरल बनाया जाए, ताकि अस्पतालों और लोगों को जल्दी से जल्दी ऑक्सीजन मिले. इसके बावजूद कस्टम क्लीरेंस नहीं मिलने से कई ऑक्सीजन कंसंट्रेटर पिछले कई दिनों से कस्टम विभाग में परे हुए हैं. इस बीच दिल्ली सरकार के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखी चिठ्ठी लिखी है. दिल्ली के वित्त मंत्री ने कोरोना काल में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को जीएसटी से मुक्त करने की मांग की है. सिसोदिया ने कहा है कि अगले 6 महीने तक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को जीएसटी से मुक्त रखा जाए.

सोमवार को ही दिल्ली में कोरोना संक्रमण से बिगड़े हालात के बीच डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मदद मांगी है. डिप्टी सीएम ने अपने पत्र में रक्षा मंत्री से दिल्ली के लिए ऑक्सीजन, आईसीयू बेड और मेडिकल टीम की मदद देने की मांग की है. दिल्ली सरकार के वकील ने आज हाईकोर्ट में यह जानकारी दी.

संपादकीय

हमें इलाज पाने का कितना हक

महामारी से निपटने के मामले में सरकारी तंत्र पर अदालत के आक्रोश को समझा जा सकता है। दरअसल, यह आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने की अपेक्षा की अभिव्यक्ति है। अदालतें पहले भी इस तरह की पहल करती रही हैं और बहुत सकारात्मक परिणाम भी आए हैं। तकरीबन 32 वर्ष पहले 1989 में परमानन्द कटारा देश की स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में एक युगान्तकारी परिवर्तन के माध्यम बने थे। उनकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य सुविधाओं को पाने के अधिकार को जीवन के मूल अधिकार का अभिन्न भाग मानते हुए सरकार तथा निजी चिकित्सकों को निर्देशित किया था कि आपात परिस्थिति में आने वाले हर मरीज को चिकित्सा देना उनकी जिम्मेदारी है। शुरुआत एक खबर से हुई थी, जो दुर्घटनाग्रस्त स्कूटर चालक की मौत के बारे में थी। सड़क पर स्कूटर सवार को किसी कार ने टक्कर मार दी थी। उसे लेकर एक व्यक्ति नजदीक के अस्पताल में गया। अस्पताल ने घायल का इलाज करने से इन्कार कर दिया, क्योंकि डॉक्टर के मुताबिक वह मेडिको लीगल मामला था। उसे दूसरे अस्पताल ले जाने को कहा गया, जो 20 किलोमीटर दूर था। वहां पहुंचते घायल व्यक्ति दम तोड़ चुका था।

परमानन्द कटारा का मामला कई प्रकार से अभूतपूर्व था। लोकहित के मामलों में आमतौर पर इस तरह के आदेश केवल केंद्र सरकार और राज्य सरकार या सरकारी कर्मचारियों के लिए दिए जाते हैं। लेकिन इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों के माध्यम से सभी मेडिकल कॉलेजों और निजी नर्सिंग होम और चिकित्सकों तक को इस आदेश की प्रति देने और उसका पालन सुनिश्चित करने को कहा। न्यायालय ने कहा कि यदि घायल व्यक्ति को जरूरी चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध न हो सकें, तो अनुच्छेद 21 का जीवन का अधिकार बेमानी है। इसलिए सरकार और सभी चिकित्सकों की यह जिम्मेदारी है कि आपात परिस्थितियों में पहुंचने वाले हर मरीज को चिकित्सा उपलब्ध कराएं। संविधान के अनुच्छेद 21 के अलावा संविधान में दूसरे भी कई ऐसे उपबंध हैं, जिनमें सरकार को आम लोगों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। अनुच्छेद 39(ई) में राज्यों को कामगारों के समुचित स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। यह राज्य की जिम्मेदारी तय करता है कि वह काम करने और मातृत्व की सुविधाएं सुनिश्चित करे और अनुच्छेद 47 भी आम लोगों के स्वास्थ्य का स्तर बेहतर करने के लिए आवश्यक प्रयास करता है। इतना ही नहीं, हमारे संविधान की अनुसूची 11 की प्रविष्टि 23 तथा अनुच्छेद 343जी के अंतर्गत पंचायतों और स्थानीय निकायों की भी जिम्मेदारी तय है कि वे अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुनिश्चित करें। पारंपरिक सोच यह है कि राज्य के नीति निर्देशक तत्व मूल अधिकार से इस मामले में अलग होते हैं कि वे निर्देश मात्र होते हैं और उन्हें अदालतों के माध्यम से लागू नहीं किया जा सकता, किंतु अदालतों ने आगे बढ़कर उन्हें मूल अधिकारों की तरह लागू किया है। कोविड महामारी के मामलों में पहले भी अदालतों ने कई बार आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पिछले वर्ष जब देशभर के अस्पतालों से बदइंतजामी की शिकायत मिल रही थी, तब अदालत ने उनका स्वत~ संज्ञान लिया। समाचार पत्रों में छपी खबर के आधार पर इसकी जांच कराने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 12 तथा 19 जून 2020 को व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए, जिसमें कोविड जांच बढ़ाने तथा सभी अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का आदेश शामिल था। अदालत ने एक उच्चस्तरीय समिति भी गठित की, ताकि उसके दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित हो सके। कोविड महामारी एक आपात स्थिति है। इससे निपटने में सरकारों की सफलता और असफलता पर विवाद हो सकता है, किंतु उनकी नीयत पर संदेह नहीं किया जा सकता। मानव की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह हर आपदा से कुछ न कुछ सीखता है। मौजूदा महामारी से निपटने में अदालतों की भूमिका की जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है, किंतु उनकी अपनी एक सीमा होती है। हर छोटे-छोटे मामलों को जानने का न तो अदालतों के पास कोई तंत्र होता है और न ही वे उसे जमीनी स्तर पर लागू कर सकती हैं। इसके लिए मौजूदा कानूनी ढांचे की कमियों को भी दूर करना जरूरी है। स्वास्थ्य सुविधाएं पाने के अधिकार को हमारे संविधान में अलग से मूल अधिकार का दर्जा नहीं दिया गया है। इसके कारण ऐसे अधिकार का उपयोग करने में कई तकनीकी दिक्कतें आती हैं। कोविड महामारी ने हमें पहली सीख यह दी है कि स्वास्थ्य सुविधाओं को पाने का अधिकार मूल अधिकार के अध्याय में शामिल हो। दूसरा यह कि मूल अधिकारों के लाभ को निचले स्तर तक पहुंचाने के लिए यह जरूरी है कि पूरे देश की स्वास्थ्य सुविधाओं के नियमन के लिए व्यापक कानूनी ढांचा हो। इसमें केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वय तथा एकजुट होकर काम करने की जरूरत होगी। इसमें एक बाधा है। संविधान में स्वास्थ्य सुविधाओं तथा अस्पताल के संबंध में कानून बनाने का अधिकार राज्यों के पास है। शायद ही कोई ऐसा राज्य होगा, जिसके पास स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित कानूनी ढांचा उपलब्ध होगा। कानूनी ढांचे की इस कमी का नुकसान यह है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया और उसे लागू करने में बिखराव है। तदर्थ जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकारें निर्णय ले रही हैं, जिसके कारण जब अचानक कोई दूसरी समस्या आ जाती है, तो पहले की कार्यवाही ठंडे बस्ते में चली जाती है। राज्यों के बीच कई विषयों पर मतभेद भी हैं, इसलिए भी कहीं-कहीं एकजुटता का अभाव नजर आता है। इस कमी को दूर करने के लिए यह जरूरी है कि संविधान में संशोधन करके स्वास्थ्य सुविधाएं तथा अस्पताल जैसे विषय को राज्य सूची से हटाकर समवर्ती सूची में लाया जाए। केंद्र द्वारा इस विषय पर व्यापक कानून बनाया जाए, जिसमें सरकारी तंत्र और निजी अस्पतालों का नियमन हो और उनकी जवाबदेही तय हो। ऐसे में, यदि स्थानीय स्तर पर कोई चूक होती है, तो नोडल अधिकारी उसे दूर कर लेगा। अस्पताल के कर्मचारियों की लापरवाही से होने वाले नुकसान के मामलों में न्याय आसान हो जाएगा।

प्रवीण कुमार सिंह

बच्चों के भविष्य का अनसुलझा सवाल, परीक्षा प्रणाली में बदलाव समय की मांग

प्राथमिक हो माध्यमिक या उच्च शिक्षा, छात्रों का पठन-पाठन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इस महामारी ने शिक्षाविदों और नीति-निर्माताओं को भी नए सिरे से सोचने और मौजूदा शैक्षिक नीतियों को फिर से तैयार करने के लिए मजबूर कर दिया है। लंबे अरसे से यह बहस चली आ रही है कि क्या तीन घंटे की बोर्ड परीक्षा से किसी छात्र की योग्यता और काबिलियत को मापा जा सकता है। आज कोरोनाकाल में पुन~एक बार परीक्षा प्रणाली में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है। कहा जा सकता है कि महामारी की विषम परिस्थितियों ने एक अवसर दिया है जिसमें नई परीक्षा प्रणाली पर बात हो ताकि छात्रों के समग्र मूल्यांकन का बेहतर तरीका सामने निकल कर आए।

कोरोना काल में छात्रों की सुरक्षा के लिए जरूरी है कि वे एक जगह पर सामूहिक रूप से एकत्रित न हों, परीक्षा भवन तक आने-जाने के लिए कोई यात्र न करें। दरअसल बोर्ड परीक्षा जिस तरह से आयोजित की जाती है, उसमें शारीरिक दूरी जैसे नियमों का समुचित पालन करवाना मुश्किल था और मौजूदा हालात में परीक्षाएं कराने पर कोरोना के फैलने का खतरा ज्यादा था। हालात की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वर्तमान दूसरी लहर में रोजाना संक्रमण के मामले ढाई लाख को पार कर चुके हैं। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश सहित कई राज्य कोविड संक्रमण की दूसरी लहर से बहुत अधिक प्रभावित हैं। कई अन्य राज्यों में भी स्थिति खराब होने की ओर बढ़ रही है। ऐसे में परीक्षा कराना बड़ी चुनौती थी।

विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि आने वाले दिनों में कोरोना के प्रतिदिन तीन लाख से ज्यादा मामले आ सकते हैं। आइआइटी कानपुर के विशेषज्ञों की टीम ने गणितीय मॉडल के आधार पर कहा है कि देश में कोरोना की लहर 25 अप्रैल के आसपास पीक पर होगी। चूंकि 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के बच्चों की कुल संख्या को अगर देखा जाए तो यह 50 लाख से ज्यादा होती है, लिहाजा इतनी बड़ी तादाद में ऐसे समय में परीक्षाओं का आयोजन करवाना खतरे से खाली नहीं था।

वैसे यह पहला मौका है जब सीबीएसई ने 10वीं की परीक्षा पूरी तरह रद कर दी हो। सीबीएसई द्वारा कहा गया है कि अब आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर 10वीं के नतीजे तैयार किए जाएंगे। यानी प्री बोर्ड और सेमेस्टर के आधार पर हुई परीक्षाओं के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा एवं इसी आधार पर परिणाम तैयार होगा। अच्छी बात यह है कि अगर छात्र इस मूल्यांकन से असंतुष्ट हुए तो वे स्थिति सामान्य होने पर परीक्षा दे सकेंगे। कहा जा सकता

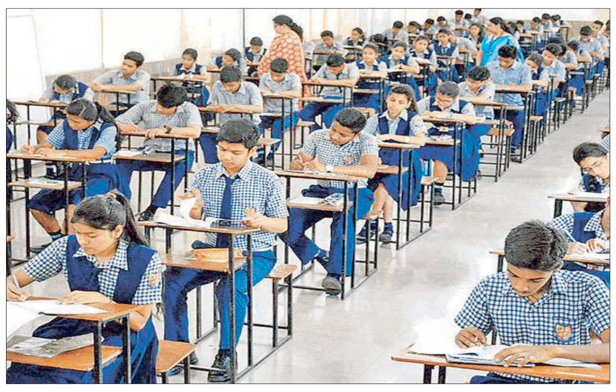

है कि सरकार ने छात्रों के हितों का भी ख्याल रखा है। हालांकि सीबीएसई द्वारा 10वीं के बच्चों को आगे प्रमोट करने को लेकर अभिभावकों के मन में तमाम तरह के सवाल और शंकाएं अभी भी हैं। सीबीएसई को इन शंकाओं को दूर करने पर ध्यान देना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि 10वीं के छात्रों को कक्षा 11 में प्रमोट कर देने के कुछ नुकसान भी होंगे। मसलन 11वीं में विज्ञान, कला और वाणिज्य विधा का आधार अभी तय नहीं हो पाएगा। शिक्षकों के फेवरेटिज्म का खतरा भी रहेगा। इस बात में भी सच्चाई है कि परीक्षाओं के रद करने से उन मेहनतकश विद्यार्थियों को जरूर निराशा हुई होगी जिन्होंने अच्छे अंक लाने के लिए दिन रात पिछले एक साल से मेहनत की थी। लेकिन सरकार की चिंता भी जायज है कि परीक्षाओं के लिए बच्चों के जीवन को खतरे में नहीं डाला जा सकता। बच्चे देश का भविष्य हैं और देश के भविष्य से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। सीबीएसई बोर्ड की 12वीं की परीक्षा रद करने के बजाय स्थगित करने के निर्णय को अभी ज्यादा उचित कहा जा सकता है। हम अक्सर देखते हैं कि 12वीं के अंकों के आधार पर कोई छात्र मेडिकल, इंजीनियरिंग, प्रशासन, अकाउंटेंट, विज्ञानी या फिर कुछ और करियर का चयन करता है। ऐसे में प्रयास तो यही होना चाहिए कि जून तक अगर स्थिति सामान्य होती है तो 12वीं की परीक्षा ली जाए। अगर हालात सामान्य नहीं होते हैं तो 10वीं की तर्ज पर 12वीं के बच्चों को भी आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर अंक जारी किए जा सकते हैं। कोरोना के संकट को देखते हुए शिक्षाविदों के एक तबके का मानना है कि सरकार को जून महीने में 12वीं की मैनुअल परीक्षा कराने की बजाय वर्चुअल परीक्षा करवाने का प्रबंध करने पर विचार करना चाहिए। लेकिन बड़ी दिक्कत यह है कि हमारे देश में जहां करीब 46 प्रतिशत छात्रों के पास ऑनलाइन परीक्षा के लिए उपकरण ही न हों, करीब 32 प्रतिशत बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच नहीं हो, ऐसे में ऑनलाइन परीक्षा के समुचित प्रबंध करना बेहद मुश्किल है। अभी कोई भी कहने की स्थिति में नहीं है कि जून में कोरोना संक्रमण की क्या स्थिति बनेगी, लेकिन उचित यही रहेगा कि शिक्षा प्रशासक हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहें। यह बात बिल्कुल सही है कि बार-बार परीक्षाएं टालने और अगली क्लास में प्रमोट कर देने का सीधा असर बच्चों के भविष्य पर पड़ता है, वो किताबों से दूर होने लगते हैं। या फिर बच्चे अपने भविष्य को लेकर अधिक चिंतित होने लगते हैं। ऐसे में इस कठिन वक्त में शिक्षक और अभिभावक बोर्ड परीक्षा के छात्रों का मनोबल बनाए रखें और उन्हें हर तरह की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रोत्साहित करें। खासकर 12वीं के छात्रों को मानसिक रूप से मजबूत रखने की आवश्यकता है। साथ ही सीबीएसई शिक्षा विशेषज्ञों व मनोविज्ञानियों की मदद लेकर 12वीं की परीक्षा से जुड़ी समस्याओं का हल निकाले। अभी 12वीं की परीक्षा स्थगित होने से एक तरफ छात्रों पर परीक्षा का तनाव बना हुआ है, दूसरी तरफ विद्यार्थी अपने भविष्य की योजना को लेकर भी असमंजस में हैं। अगर कक्षा 12 के परिणाम को भी आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर जारी किया जाता है तो उच्च शिक्षा के डिग्री कोर्स जैसे बीए, बीएससी और बीकॉम में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा होनी चाहिए।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा करवाने का सुझाव दिया गया है। इसे जल्द लागू करने की जरूरत है। एक अहम बात यह भी है कि कोरोना के विषम संकटकाल में भी देशभर के अलग-अलग शिक्षा बोर्ड को परीक्षा, परिणाम और पाठ्यक्रम के मामले में भिन्न-भिन्न नीति पर चलने की क्या जरूरत है? क्या ऐसा नहीं हो सकता कि 2021 के लिए केंद्र और राज्यों के सभी शिक्षा बोर्ड आपसी विचार-विमर्श के बाद एक जैसे फैसले लें। इससे अलग-अलग शिक्षा बोर्ड के कारण बनने वाली भ्रम की स्थिति भी दूर होगी। विचारणीय विषय यह भी है कि पिछले वर्ष जिस प्रकार से कोविड के कारण परीक्षाओं पर गंभीर प्रभाव देखा गया था, उसे देखते हुए ऑनलाइन परीक्षा व्यवस्था की ओर ध्यान देने की जरूरत थी। यदि इस तरह की व्यवस्था पर समुचित ध्यान दिया गया होता, तो इस साल की बोर्ड परीक्षा रद करने की नौबत नहीं आती। अहम सवाल यह है कि अगर कोरोना का असर ऐसे ही अगले वर्ष रहा तब भी क्या बोर्ड परीक्षा रद की जाएगी? समय की मांग को देखते हुए परीक्षाएं आयोजित कराने वाले बोर्डों को नए सिरे से इस पर विचार करना चाहिए कि कैसे हम ऑनलाइन परीक्षा की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

कोरोना महामारी ने हर तबके के लोगों की जिंदगियों पर गंभीर असर डाला है। अगर बात शिक्षा जगत में कोविड महामारी के प्रभाव की की जाए तो यहां भी जख्म बड़े गहरे हैं। प्राथमिक हो माध्यमिक या उच्च शिक्षा, छात्रों का पठन-पाठन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इस महामारी ने शिक्षाविदों और नीति-निर्माताओं को भी नए सिरे से सोचने और मौजूदा शैक्षिक नीतियों को फिर से तैयार करने के लिए मजबूर कर दिया है। लंबे अरसे से यह बहस चली आ रही है कि क्या तीन घंटे की बोर्ड परीक्षा से किसी छात्र की योग्यता और काबिलियत को मापा जा सकता है। आज कोरोनाकाल में पुन~ एक बार परीक्षा प्रणाली में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है। कहा जा सकता है कि महामारी की विषम परिस्थितियों ने एक अवसर दिया है जिसमें नई परीक्षा प्रणाली पर बात हो ताकि छात्रों के समग्र मूल्यांकन का बेहतर तरीका सामने निकल कर आए।

कैसे थमेगी कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर, एक साथ कई मोर्चों पर करना होगा काम

कोरोना संक्रमण के एक बार फिर तेजी से बढ़ते हुए दौर में निश्चित रूप से यह कहा जा सकता है कि इसकी दूसरी लहर दस्तक दे चुकी है। तमाम राज्य सरकारें इस समस्या से निपटने के लिए अपने अपने स्तर से प्रयासों में जुटी हैं। कुछ राज्यों में वहां की सरकारों ने आंशिक तालाबंदी जैसे अनेक निर्णय लिए हैं तो कई अन्य राज्य तेजी से इस संबंध में निर्णय ले रहे हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजधानी की स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्वस्त होने से रोकने के लिए छह दिन के लॉकडाउन की घोषणा की है जो आगामी सोमवार सुबह पांच बजे तक जारी रहेगा। दूसरी ओर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उद्योग जगत को आश्वासन दिया है कि राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन नहीं लगाया जाएगा। इस बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी इसी आशय की घोषणा की है, लेकिन उन्होंने लॉकडाउन को स्वास्थ्य सुरक्षा सप्ताह का नाम दिया है। इस दौरान झारखंड में सरकारी कार्यालय खुले रहेंगे। कृषि, उद्योग और खनन से जुड़ी गतिविधियां जारी रहेंगी। वैसे पिछले साल के विपरीत इस बार एक नया मॉडल यह अपनाया गया है कि लॉकडाउन के संदर्भ में निर्णय राज्य सरकारों पर छोड़ दिया गया है कि वह अपनी स्थानीय स्थितियों को ध्यान में रखते हुए फैसला करें। यह बेहतर तरीका है, क्योंकि वर्तमान में सभी राज्यों में कोविड संक्रमण की वह अनियंत्रित स्थिति नहीं है, जैसी लखनऊ या दिल्ली जैसे शहरों में है। पिछले साल जैसा केंद्र-नियंत्रित लॉकडाउन उन राज्यों पर जुल्म होता जिनमें फिलहाल संक्रमण अभी बहुत कम है। इस पृष्ठभूमि में यही अक्लमंदी है कि अपनी अपनी स्थितियों को मद्देनजर रखते हुए मुख्यमंत्री लॉकडाउन के बारे में फैसला करें।

कोविड की दूसरी लहर को नियंत्रित करने के सिलसिले में एक अन्य महत्वपूर्ण कदम यह है कि एक मई से 18 वर्ष से ऊपर के सभी देशवासी टीकाकरण करा सकेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं कि गंभीर व घातक संक्रमण से सुरक्षित रहने का एकमात्र विकल्प वैक्सीन ही है, इसलिए टीकाकरण अभियान युद्धस्तर पर छेड़ा जाना चाहिए। मई से आरंभ होने वाले टीकाकरण के तीसरे चरण में वैक्सीन निर्माताओं को सेंट्रल ड्रग्स लेबोरेटरी द्वारा जारी अपनी मासिक खुराकों का 50 प्रतिशत केंद्र सरकार को देना होगा और शेष वह सीधे राज्य सरकारों व खुले बाजारों में सप्लाई करने के लिए आजाद होंगे, जिसका दाम उन्हें एक मई से पहले घोषित करना होगा।

निजी अस्पतालों को घोषित दाम पर अपनी सप्लाई खुले बाजार से लेनी होगी। केंद्र ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि एक मई के बाद भी प्राइवेट अस्पतालों में वैक्सीन की एक खुराक 250 रुपये के अधिकतम मूल्य पर ही दी जाएगी या खुले बाजार के भाव को मद्देनजर रखते हुए इसमें निजी प्रतिष्ठान वृद्धि कर सकते हैं। इस अस्पष्टता से यह आशंका बढ़ गई है कि निजी अस्पताल अपना वर्तमान वैक्सीन स्टॉक रोक लेंगे, ताकि एक मई के बाद उसे महंगा 'बेच' सकें। बहरहाल दिल्ली का लॉकडाउन के साथ नया प्रयोग देश के लिए नाजुक क्षण है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र भारत के मुख्य आर्थिक चालकों में से एक है। इसलिए लॉकडाउन के लाभ खर्च के अनुपात में होने चाहिए।

अगले पांच दिन के भीतर संक्रमण की जंजीर को तोड़ने से स्वास्थ्यकर्मियों को कुछ राहत मिलेगी और उन सुविधाओं को भी बेहतर बनाया जा सकेगा जो संक्रमण की बाढ़ से चरमरा गई थीं। दूसरा, कुछ राज्यों में वायरस संक्रमण की रफ्तार इतनी तेज है कि उसने हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर करने की गति को बहुत पीछे छोड़ दिया है। तीसरा यह कि आवश्यक दवाओं की कमी व कालाबाजारी हर जगह से रिपोर्ट हो रही है, इस पर तुरंत लगाम कसने की आवश्यकता है। दूसरी लहर में कोविड रोगियों को ऑक्सीजन की अधिक जरूरत पड़ रही है और पर्याप्त ऑक्सीजन न होने की हर जगह से शिकायतें आ रही हैं। गौरतलब है कि देश में केवल नौ औद्योगिक समूह ही ऑक्सीजन सप्लाई करते हैं। ऑक्सीजन उत्पादन दायरे को बढ़ाने की जरूरत उसी समय से महसूस की जा रही थी जब गोरखपुर में सौ से अधिक बच्चे ऑक्सीजन की कमी की वजह से दम तोड़ गए थे, लेकिन सरकारों को इस ओर ध्यान देने की फुर्सत ही नहीं मिली शायद।

बहरहाल लॉकडाउन का लाभ तभी मिल सकेगा जब रोग निगरानी को बेहतर किया जाए, लोग पाबंदी से मास्क लगाएं, होम क्वारंटाइन के संस्थागत विकल्प उपलब्ध कराए जाएं और पिछले साल जैसे प्रवासी मजदूरों के पलायन को रोकने के लिए अनाज सुरक्षा जरूरतों को पूरा किया जाए। केवल लोगों के घरों में बंद रहने से वायरस संक्रमित करना बंद नहीं कर देता है। घर घर जाकर टेस्टिंग व ट्रेसिंग की जरूरत है ताकि लक्षणरहित सुपरस्प्रेडर को स्पॉट किया जा सके। माइक्रो कंटेनमेंट योजना के बावजूद, जनस्वास्थ्य व्यवस्था की रोग निगरानी क्षमता कमजोर है।

लोकल लॉकडाउन ही लगे

कोरोना की दूसरी लहर से देशभर में जो इलाके सबसे अधिक प्रभावित हैं, सिर्फ वहां लॉकडाउन लगाने का विचार व्यावहारिक तकाजों के मुताबिक ही है। पिछले साल के देशव्यापी लॉकडाउन के तल्ख अनुभवों को देखते हुए केंद्र सरकार ने इस बार लॉकडाउन का फैसला राज्य सरकारों पर छोड़ा है। राज्य अलग-अलग हिस्सों में संक्रमण की स्थिति और आर्थिक गतिविधियों की अनिवार्यता संबंधी दोनों पहलुओं पर गौर करते हुए यह फैसला कर रहे हैं कि कहां किस तरह की पाबंदियां लगनी चाहिए। मगर धीरे-धीरे यह भी महसूस किया जा रहा है कि यह फैसला पूरी तरह राज्य सरकारों पर छोड़ना मुनासिब नहीं है। राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर तालमेल के साथ चला जाए तो अपेक्षाकृत कम समय में बेहतर नतीजे हासिल किए जा सकते हैं। इसी सोच के तहत स्वास्थ्य विभाग ने देश भर में ऐसे 150 जिलों की पहचान की है, जहां पॉजिटिविटी रेट 15 फीसदी से ऊपर पाई गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय का सुझाव है कि इन जिलों में आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सख्त लॉकडाउन लागू किया जाए। यों तो इस संबंध में अंतिम फैसला संबंधित राज्य सरकारों से विचार-विमर्श के बाद लिया जाना है, लेकिन हालात जिस तेजी से बिगड़ते जा रहे हैं उसके मद्देनजर इस फैसले पर अमल में देर नहीं की जानी चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि लॉकडाउन मजबूरी का विकल्प है। लेकिन देश के बड़े हिस्से में महामारी की जो स्थिति है, उसमें लॉकडाउन जैसा कड़ा और अप्रिय कदम उठाना अनिवार्य होता जा रहा है। इससे पहले कि देशव्यापी लॉकडाउन के हालात बन जाएं, सर्वाधिक प्रभावित इलाकों की पहचान कर वहां इस वायरस की चेन तोड़ना जरूरी है ताकि अन्य क्षेत्र इसकी चपेट में आने से बच सकें। यह स्पष्ट है कि इस संक्रमण को नियंत्रित करने के दो ही तरीके हैं। एक, भीड़ इकट्ठी न होने पाए और सामाजिक दूरी बनाए रखी जाए और दो, अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीन के सुरक्षा घेरे में लाया जाए। वैक्सीन का उत्पादन बढ़ाने की तमाम कोशिशों के बीच भी यह स्पष्ट हो गया है कि 18 साल से ऊपर के लोगों को बड़े पैमाने पर टीके की जद में लाने का काम अगले महीने के दूसरे-तीसरे सप्ताह तक ही शुरू हो पाएगा। तब तक संक्रमण को यथासंभव रोके रखने का यही उपाय हो सकता है कि जिन इलाकों में वायरस के सबसे ज्यादा फैलने की आशंका हो, वहां सख्त लॉकडाउन घोषित किया जाए और देश के बाकी इलाकों में सावधानी के साथ आर्थिक गतिविधियां चलने दी जाएं ताकि महामारी और अर्थव्यवस्था दोनों मोर्चों पर स्थिति संभली रहे। जरूरी यह भी है कि टीके उपलब्ध हो जाने के बाद जब जोर-शोर से वैक्सिनेशन ड्राइव शुरू की जाए, तब भी इन 150 जिलों को प्राथमिकता में रखा जाए ।

ऑक्सीजन आपूर्ति की मुश्किल राह, स्वास्थ्य क्षेत्र से अधिक उद्योग में उपयोग

इसके बाद समस्या इसकी ढुलाई की भी है। तरल ऑक्सीजन ज्वलनशील होती है, इसलिए टैंकर दुर्घटनाग्रस्त न हो, इसे लेकर काफी सावधानी बरती जाती है। ऑक्सीजन ढोने में खास तरह के क्रायोजेनिक टैंकरों का इस्तेमाल होता है। ऑल इंडिया इंडस्टियल गैस मैन्यूफैक्चर्स एसोसिएशन के आंकड़े बताते हैं कि हमारे देश में फिलहाल ऑक्सीजन ढोने वाले ट्रकों की संख्या डेढ़ हजार के आसपास ही है। फैक्ट्री से अस्पतालों तक ऑक्सीजन को ढोकर लाने और फिर वहां सिलेंडरों को बदलने व भरने की चुनौती इतनी आसान नहीं है कि उसे हर कोई संपन्न करा ले।

कोरोना की दूसरी लहर के बाद अब जिस तरह इसकी तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही है, उससे तय है कि देश में मेडिकल ऑक्सीजन की मांग में और इजाफा होगा।

कोरोना वायरस के प्रकोप की दूसरी लहर के साथ देश में कोविड महामारी का आतंक चारों तरफ छा गया है। एक ही दिन में ढाई-पौने तीन लाख से ज्यादा लोगों के कोरोना संक्रमित हो जाने की खबरों के बीच में देश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के ढह जाने की सूचनाओं ने जनता ही नहीं, सरकारों तक के पसीने छुड़ा दिए हैं। कहीं जरूरी दवाओं की किल्लत, कालाबाजारी, चोरी तक की खबरें हैं तो कहीं अस्पतालों में रेमडेसिविर के इंजेक्शनों और बिस्तरों की किल्लत के लंबे-चौड़े आंकड़े सामने आ रहे हैं। अगर हम पिछले एक-डेढ़ साल के अरसे पर नजर दौड़ाएं तो कह सकते हैं कि कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया के साथ-साथ हमारे देश में तब दस्तक दी थी, जब शासन-प्रशासन और जनता में से शायद ही कोई इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार था। एक तरफ इसे लेकर अनभिज्ञता थी कि इस वायरस का मुकाबला कैसे किया जाए। मरीजों को कौन-सी दवा दी जाए ताकि संक्रमण काबू में आ जाए। दूसरी तरफ देश में चिकित्सा संसाधनों की कमी का भी अंदाजा सरकार तक को था। यही वजह थी कि सरकार को बीमारी का मुकाबला करने का सबसे सरल तरीका पूरे देश में संपूर्ण लॉकडाउन लगाना ही सूझा था, भले ही उसके इस फैसले की तमाम लोगों ने आलोचना की। बहरहाल, अभी देश में सबसे बड़ी चिंता अस्पतालों में मरीजों को बिस्तर, वेंटीलेटर और ऑक्सीजन उपलब्ध कराने को लेकर है, क्योंकि पिछले कुछ ही दिनों में देश के हर कोने से अस्पतालों में ऑक्सीजन की सप्लाई में कमी की खबरें आ रही हैं। असल में पिछले साल से ही कोविड के मरीजों की जान बचाने के सिलसिले में

अस्पतालों में उन्हें ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करना सबसे बड़ी चुनौती का काम रहा है। जहां-जहां मरीजों की संख्या में थोड़ा भी इजाफा हुआ है, अस्पतालों में मरीजों को बेड देने के अलावा ऑक्सीजन देने में मुश्किलें सामने आई हैं। दवाओं से इलाज में थोड़ी-बहुत देरी सहन की जा सकती है, लेकिन शरीर में ऑक्सीजन का स्तर घट जाए तो मरीज को वेंटीलेटर पर ले जाकर तुरंत ऑक्सीजन देकर ही जिंदा रख पाना मुमकिन होता है। कुछ मरीज ऐसे भी होते हैं जिन्हें सांस लेने में दिक्कत नहीं होती, मगर उनके शरीर में ऑक्सीजन की कमी चिंताजनक स्तर तक होती है।

कहा जा सकता है कि बीते वर्ष दीपावली से इस साल होली तक की अवधि में कोरोना संक्रमण की कमी के आंकड़ों ने आम लोगों से लेकर सरकार और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों को इस महामारी को लेकर बेफिक्र कर दिया था। देश के सैकड़ों गांव-कस्बों के अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति लगातार चुनौती बनी हुई थी, जिसकी अनदेखी की गई। इसकी सच्चाई यह है कि पिछले ही साल केंद्रीय स्तर पर स्वास्थ्य सचिव, उद्योग और आंतरिक व्यापार विभाग के सचिव, फॉर्मास्यूटिकल्स और राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों के बीच ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई गई थी। सभी राज्यों को निर्देश भी दिए गए कि ऑक्सीजन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऑक्सीजन टैंकरों के निर्बाध आवागमन के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाए जाएं। साफ है कि इस बीच कोरोना का संक्रमण जब कुछ थमा, तो सारी तैयारियों और दिशानिर्देशों को ताक पर रख दिया गया। यही वजह है कि जब कोरोना वायरस ने म्यूटेशन करते हुए नया ज्यादा संक्रामक रूप धरा और इसमें लोगों व सरकारी स्तर की लापरवाही कायम हुई, देश में महामारी की दूसरी लहर के रूप में कोरोना का विस्फोट हो गया।

अब कोविड मरीजों को ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए नौ प्रमुख उद्योगों को छोड़कर औद्योगिक उद्देश्य के लिए ऑक्सीजन सप्लाई प्रतिबंधित करने और 'ऑक्सीजन एक्सप्रेस' चलाने जैसे उपायों से हालात काबू में आ जाएंगे, लेकिन तब भी कुछ सवाल बाकी रहेंगे। जैसे आखिर क्यों इस मामले में इंतजामों को कायम करने में हीलाहवाली की गई, जबकि दुनिया के बहुतेरे देशों में कोरोना की दूसरी, तीसरी और चौथी लहरों का प्रकोप प्रत्यक्ष दिख रहा था। इसी तरह संकट यह भी है कि अधिकांश ऑक्सीजन की सप्लाई सरकारी अस्पतालों को की जाती है, मगर उन्हें समय से इसका भुगतान नहीं किया जाता। इस वजह से भी ऑक्सीजन सप्लाई बाधित होती है जिसकी कीमत मरीजों को अपनी जान गंवाकर चुकानी पड़ती है।

हमारे देश में चिकित्सा ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ाना आसान नहीं है। कोरोना काल से पहले सामान्य दिनों में महज 15 फीसद ऑक्सीजन का उत्पादन चिकित्सा क्षेत्र के लिए हो रहा था, जबकि बाकी ऑक्सीजन स्टील व ऑटोमोबाइल के क्षेत्र के लिए बनाई जा रही थी। चिकित्सकीय उद्देश्यों से मांग बढ़ने पर ऑक्सीजन का उत्पादन बढ़ाना आसान नहीं है, क्योंकि इसके लिए काफी ज्यादा पूंजी और उन्नत तकनीक की जरूरत होती है। कोरोना के संक्रमण काल में देश में सैनिटाइजर और मास्क उत्पादन के क्षेत्र में तो नए उद्यमी उतरे हैं, मगर ऑक्सीजन उत्पादन नहीं बढ़ सका है। यह कैसे बढ़े, इसके लिए ऑक्सीजन उत्पादन का गणित समझना होगा। हमारे वायुमंडल में ऑक्सीजन की मात्र तकरीबन 21 प्रतिशत है। लेकिन औद्योगिक और चिकित्सकीय इस्तेमाल के लिए ऑक्सीजन हासिल करना आसान नहीं है। इसे बेहद जटिल विज्ञान प्रक्रियाओं से हासिल किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दबाव डालकर हवा को तरल बनाया जाता है और फिर तरल हवा के कई घटकों को अलग करते हुए नीले रंग की तरल ऑक्सीजन प्राप्त की जाती है। यह ऑक्सीजन बेहद ठंडी होती है, जिसका तापमान शून्य से 183 डिग्री सेल्सियस नीचे होता है। ऑक्सीजन को द्रव रूप में कायम रखने के लिए इस तापमान को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है। भंडारण और आसानी से ढोने के उद्देश्य से गैसों को तरल रूप में ही रखा जाता है।

कोरोना काल में ऑक्सीजन की मांग और उपलब्धता यानी सप्लाई के अंतर को महाराष्ट्र के उदाहरण से समझा जा सकता है। अनुमान है कि इस राज्य में विभिन्न कंपनियां कुल मिलाकर 1,200 टन ऑक्सीजन प्रतिदिन उत्पादित करती हैं। लेकिन इसके बावजूद राज्य के कई अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी बनी हुई है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि कोरोना की भयावहता को देखते हुए महाराष्ट्र में हर दिन लगभग डेढ़ हजार टन ऑक्सीजन की जरूरत होगी। इस जरूरत को पूरा करना आसान नहीं है, क्योंकि फिलहाल भारत में ऑक्सीजन का उत्पादन करने वाली सिर्फ 500 फैक्टियां हैं, जहां रातोंरात उत्पादन नहीं बढ़ाया जा सकता। इसकी नई फैक्टियां भी तुरंत लगाना संभव नहीं है, क्योंकि ऑक्सीजन पैदा करने की प्रक्रिया काफी जटिल है। इसके बाद समस्या इसकी ढुलाई की भी है। तरल ऑक्सीजन ज्वलनशील होती है, इसलिए टैंकर दुर्घटनाग्रस्त न हो, इसे लेकर काफी सावधानी बरती जाती है। ऑक्सीजन ढोने में खास तरह के क्रायोजेनिक टैंकरों का इस्तेमाल होता है। ऑल इंडिया इंडस्टियल गैस मैन्यूफैक्चर्स एसोसिएशन के आंकड़े बताते हैं कि हमारे देश में फिलहाल ऑक्सीजन ढोने वाले ट्रकों की संख्या डेढ़ हजार के आसपास ही है। फैक्ट्री से अस्पतालों तक ऑक्सीजन को ढोकर लाने और फिर वहां सिलेंडरों को बदलने व भरने की चुनौती इतनी आसान नहीं है कि उसे हर कोई संपन्न करा ले।

कोरोना की दूसरी लहर के बाद अब जिस तरह इसकी तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही है, उससे तय है कि देश में मेडिकल ऑक्सीजन की मांग में और इजाफा होगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त समाचार

ग्वालियर : एमबीए के छात्र ने जहर खाकर दी जान

ग्वालियर। महाराजपुरा थाना क्षेत्र के आदित्यपुरम में एक छात्र ने जहर खाकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार महाराजपुरा थाना क्षेत्र के आदित्यपुरम निवासी 22 वर्षीय सतेन्द्र पुत्र योगेन्द्र सिंह तोमर एमबीए का फाइनल ईयर का छात्र था। वह बाहर से टहलकर घर लौटा और अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद उसकी हालत बिगड़ गई तो परिजन उसे लेकर हॉस्पिटल पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया तो पता चला उसने जहर खाया है,पर लगातार उसकी हालत बिगड़ती चली गई। और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची महाराजपुरा थाना पुलिस ने शव मर्ग कायम करते हुए शव को पीएम के बाद शव परिजन के दे दिया। पुलिस ने घटना स्थल का भी निरीक्षण किया है। लेकिन मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

इंदौर : कपड़ा कारखाने में आग लगने से लाखों का नुकसान

इंदौर। राजबाड़ा इलाके के पीरगली में सोमवार की सुबह 8 बजे एक रेडिमेड कपड़े बनाने के कारखाने में आग लग गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने मशक्कत के बाद दो घंटे में आग पर काबू पाया। आग में लाखों के नुकसान की आशंका है। वहीं कुछ लोग चोरी करने के बाद बदमाशों द्वारा आग लगाने की घटना बता रहे हैं। जानकारी के अनुसार पीरगली स्थित वर्धमान अपार्टमेंट के तीसरे माले पर आग लगी थी। यहां अमित पिता अशोक यादव का सियाराम ट्रेडिंग के नाम से कारखाना है। कारखाने से धुआं निकला, तो लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड के अधिकारी एसआई दुबे के नेतृत्व में दमकलकर्मी पहुंचे। 2 घंटे में आग पर काबू पाया। आग से पूरी बिल्डिंग में धुआं ही धुआं भर गया था। फायरकर्मी ने कांच फोड़कर कारखाने में घुसे और आग को बुझा सके।

कराहल : आंगन में सो रही वृद्धा पर भालू ने किया हमला

कराहल। कराहल क़स्बे के चारों ख़ंमा में घर के आंगन के सो रही 90 वर्षीय तुरसा पत्नी रतनलाल गूर्जर को भालू ने हमला कर घायल कर दिया। अपनी दादी को भालू के कब्ज़े में देख पास में सो रहे पोते ने भालू को डंडा से मारकर भगाया। लेकिन जब तक भालू ने वृद्धा पर पूरी ताकत से हमला किया जिससे महिला के सिर की हड्डी मुंह में दबा ली। घायल वृद्धा को कराहल सामुदायक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उपचार के लिए कोटा लेकर गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना रात के 1.30 बजे के करीबन की बताई जा रहा है। बस्ती के घरों से निकले लोगों ने रात को भालू का पीछा भी किया लेकिन भालू जंगल में चला गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया, जिसके बाद सामान्य वन मंडल स्टाफ भी मौके पर पहुंचा।

ग्वालियर : चोरों ने मकान मालिक पर की फायरिंग

ग्वालियर। महाराजपुरा थाना क्षेत्र के बहादुरपुर निवासी दिनेश सिंह गुर्जर के मकान में रात 3 बजे के करीब घुसे चार चोर,जब चोरी के बाद भाग रहे थे तो मकान मालिक ने चोरों का पीछा किया तो चोरों ने गोलियां चला दीं। मकान मालिक हटता नहीं तो सीने पर गोली लग जाती। इसके बाद वह दहशत में आ गए और चोर भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार उनके घर में रखे जेवरात और रुपए ले गए है। चोर दिनेश सिंह के घर से 50 हजार रुपए नगदी, 5 तौला सोने के गहने के साथ ही अन्य सामान ले गए हैं वहीं रामकेश के घर से 1 लाख 36 हजार रुपए नकद, 4 तौला सोना अन्य अन्य सामान पार कर ले गए हैं। पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की है। मामला दर्ज कर लिया है।

जबलपुरः कोर्ट ने दी हार्ड कॉपी जमा करने वाले केसों में राहत

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने कोरोना काल में जबलपुर मुख्यपीठ सहित इंदौर व ग्वालियर बेंच में हार्ड कापी जमा करने के मामले ढील प्रदान की है। न्यायिक प्रिंसिपल रजिस्ट्रार की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किये गये हैं। जिसमें 10 मई से 4 जून तक हार्ड कापी जमा करने पर ढिलाई प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को हाईकोर्ट बार एसोसियेशन के कार्यकारिणी सदस्य यश सोनी ने एक पत्र भेजकर आग्रह किया है कि वर्तमान में जारी की गई एडवायजरी में नये प्रकरण दायर करने में हार्ट कापी व फिजिकल कापी जमा किये जाने को अनिवार्य किया गया है, जो कि नहीं होना चाहिये। क्योंकि इसके लिये अधिवक्ता व उनके मुंशियों को घरों से निकलना पड़ता है। पत्र में राहत चाही गई है कि पूर्व की भांति उक्त अनिवार्यता को समाप्त किया जाए।

रायपुरः छत्तीसगढ़ में 15274 नए संक्रमित, 266 की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे में 15274 नए संक्रमित मरीज मिले हैं,वहीं 266 संक्रमितों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में राज्य में 15274 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं उनमें सर्वाधिक जांजगीर के 1251 हैं। इसमें कोरबा के 1223, रायगढ़ के 1182, रायपुर के 1102, बिलासपुर के 1014, दुर्ग के 931, राजनांदगांव के 583, बलौदाबाजार के 747,बेमेतरा के 303, महासमुन्द के 702, कबीरधाम के 435, धमतरी के 450, सरगुजा के 509,जशपुर के 609, गरियाबंद के 303, कांकेर के 520,सूरजपुर के 516, मुंगेली के 622, कोरिया के 579, कोन्डागांव के 221 तथा बस्तर के 172 मरीज शामिल है। इस दौरान सर्वाधिक 63 मौते रायपुर में, दुर्ग में 33, रायगढ़ में 20,जांजगीर में 19,कोरबा में 15,धमतरी में 13 मौतें हुई हैं।

शादी में जुटी थी भीड़, रोकने पर दी डायल-100 को आग लगाने की धमकी

शादी में पहुंचे थे 80 लोग, चार लोगों पर प्रकरण दर्ज

सिवनी, (एजेंसी)। बरघाट समीपस्थ नंदौरा गांव में रविवार रात आयोजित विवाह कार्यक्रम में एकत्रित 70-80 लोगों की भीड़ को वापस लौटने की समझाइश देने गए पुलिस आरक्षक पर भड़के परिवार के चार लोगों ने 100 डायल वाहन सहित आरक्षक को रोककर उसके साथ अभद्रता करते हुए वाहन को आग के हवाले करने की धमकी दी।

बरघाट एसडीओपी शशिकांत सरेयाम ने बताया कि रविवार की रात 100 डायल वाहन में तैनात आरक्षक लक्ष्मण भलावी अंखीवाड़ा गांव से वापस लौट रहे थे। नंदौरा में कुछ लोगों द्वारा बताया गया कि गांव में विनोद धुर्वे के घर शादी में काफी लोग एकत्रित हुए हैं। मौके पर पहुंचने पर शादी वाले घर में आयोजित कार्यक्रम में करीब 70 से 80 लोग एकत्रित मिलने पर आरक्षक लक्ष्मण भलावी परिवार के लोगों को समझाइश दी कि भीड़भाड़ नहीं होना चाहिए, शारीरिक दूरी व मास्क लगाकर सीमित लोगों में कार्यक्रम कराएं। विवाह वाले घर से थोड़ा आगे पहुंचने पर गांव के राजेंद्र पटले, नरेंद्र चौहान, जितेंद्र चौहान व दिलीप धुर्वे आए और 100 डायल वाहन को सामने से रोककर अभद्रता करते हुए कहा कि तुम शादी कार्यक्रम को रोकने वाले कौन होते हो जिनको समझाए कि कोरोना महामारी में लॉकडाउन चल रहा है। उत्तेजित होकर गाली गलौच व धक्का-मुक्की करते हुए चारों ने आरक्षक को यहां से चले जाने की धमकी दी गई।

इतना ही नहीं जाने पर 100 डायल वाहन को आगे के हवाले करने की बात कहते हुए वाहन पर जोर-जोर से हाथ मुक्का पटकने लगे। मना करने पर डायल 100 को जलाने के लिए धान का पैरा लाने चले गए। सूचना पर बरघाट पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा डालने व लॉकडाउन का उल्लंघन कर वाहन रोककर विवाद करने पर आरोपित राजेंद्र पुत्र लिख्खन पटले (34), नरेंद्र पुत्र धनराज चौहान (28), जितेंद्र पुत्र धनराज चौहान (26) तीनों नंदौरा व दिलीप धुर्वे मऊ गांव निवासी के खिलाफ धारा 341, 353, 186, 188, 34 भादंवि के तहत प्रकरण दर्ज है। आरोपित विनोद पुत्र अंतराम धुर्वे (28) के यहां विवाह समारोह में लाकडाउन का उल्लंघन करने पर दर्ज किया गया है।

300 लोगों को शादी में इकट्ठा कर एक साथ करा रहे थे भोजन, एफआईआर

शिवपुरी। पोहरी विकासखंड के छर्च थाना अंतर्गत महादेवा ग्राम में एक शादी समारोह में 300-400 लोग इकट्ठा होकर शादी समारोह में भोजन कर रहे थे। थाना प्रभारी ने छर्च थाने में राकेश पुत्र खेमराज कुशवाह एव रत्नेश पुत्र खेमराज कुशवाह निवासी महादेवा विरुद्ध शादी में बारात एव ग्रामीण क्षेत्र से कम से कम 300 से 400 व्यक्ति बिना शोशल डिस्टेंस के भोजन एव बहुत से लोग बिना मास्क के घूम रहे थे। इन दोनों व्यक्ति के विरुद्ध छर्च थाने में 188,269,270 एव महामारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

समारोह में शामिल होने पर 53 लोगों पर केस

रतलाम। जावरा इलाके के नीमन गांव में एक वैवाहिक कार्यक्रम में 150 से अधिक लोगों के शामिल होने पर लगभग 53 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिले के जावरा के नीमन गांव में जगदीश धाकड ने विवाह समारोह में 150 से अधिक लोगों को भोजन कराया था। इसकी जानकारी मिलने पर जगदीश धाकड सहित करीब 18 नामजद लोगों और अन्य करीब 35 लोगों के विरुद्ध औद्योगिक क्षेत्र जावरा पुलिस थाने में भादवि की धाराओं के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है।

इंदौर, भोपाल, जबलपुर एवं ग्वालियर में वकीलों को आवागमन में दें छूट

इंदौर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को दिए निर्देश

इंदौर, (एजेंसी)। इंदौर, भोपाल, जबलपुर व ग्वालियर में अधिवक्ताओं एवं उनके स्टाफ को लॉकडाउन अवधि में आवागमन में शासन को छूट देने के उच्च न्यायालय द्वारा निर्देश दिए गए हैं। यह जानकारी मप्र स्टेट बार काउंसिल सदस्य एवं बार काउंसिल ऑफ इंडिया के पूर्व सदस्य अधिवक्ता सुनील गुप्ता ने दी।

उन्होंने बताया कि उनकी ओर से दायर याचिका पर सोमवार को उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मोहम्मद रफीक एवं न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन की युगल पीठ ने राज्य शासन को आदेशित किया कि प्रदेश के उक्त चार शहरों में उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं एवं उनके ऑफिस स्टाफ को अपने कार्यों के लिए आवागमन करने से लॉकडाउन में रोका ना जाए, खासकर जब अधिवक्ताओं को कोई तत्काल फाइलिंग अथवा वर्चुअल सुनवाई करनी हो। अधिवक्ता सिद्धार्थ राधेलाल गुप्ता द्वारा याचिकाकर्ता की ओर से उपरोक्त मामले में पैरवी की गई। जिसमें उपरोक्त आदेश पारित हुए।

कलेक्टर जारी करेंगे पास

उच्च न्यायालय ने यह भी आदेशित किया कि इस संबंध में प्रदेश के 4 जिलों में अर्थात जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल, इंदौर में कलेक्टर अधिवक्ताओं को पास जारी करेंगे, जिसके आधार पर कर्फ्यू लॉकडाउन के दरमियां भी वकील एवं उनके स्टाफ ऑफिस कार्य हेतु आ जा सकेंगे। इस संबंध में स्थानीय जिला अथवा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के मार्फत भी जिला कलेक्टर को पास जारी करने हेतु ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन दिया जा सकता है। विस्तृत आदेश की प्रतिलिपि अभी अपेक्षित है।

24 घंटे में 93 लोगों की मौत, 12400 नए केस

प्रदेश में संक्रमितों का आंकड़ा छह लाख के पार, पांच लाख स्वस्थ

भोपाल, (एजेंसी)। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले के बीच प्रदेश में अब तक छह लाख से अधिक लोग कोरोना संक्रमण के चपेट में आ चुके है। हालांकि राहत की बात यह है कि अब पाये गए संक्रमित मरीजों में पांच लाख से अधिक कोरोना संक्रमित मरीज राज्य के विभिन्न अस्पतालों से ठीक होकर घर पहुंच गए हैं। राज्य के 52 जिले कोरोना संक्रमण की चपेट में है। सोमवार को प्रदेश के इंदौर में सबसे अधिक कोरोना संक्रमित मिले है।

राज्य के स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार सोमवार को प्रदेशभर में जांच किये गए 59448 सैंपल रिपोर्ट में 12,400 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। इस महामारी से अब तक राज्यभर में 6,00,430 लोग संक्रमित हो चुके हैं। हालांकि इनमें से 5,08,775 विभिन्न अस्पतालों से स्वस्थ होकर घर पहुंच चुके हैं। वर्तमान में प्रदेश भर के विभिन्न अस्पतालों में 85750 मरीजों का इलाज चल रहा है। वहीं इस बीमारी से सोमवार को 13408 लोग निजात पाकर घर रवाना हो गए हैं। सोमवार को संक्रमण दर 20.2 प्रतिशत रहा। सोमवार को राज्य में 93 लोगों की मौत हो गई। राज्य में अब तक 5905 लोग जान गवां चुके हैं।

दौरान राज्य की आर्थिक राजधानी इंदौर में 1805 कोरोना संक्रमित मिले हैं, वहीं छह की मौत हुई। इसी तरह ग्वालियर में 1096, जबलपुर में 711, उज्जैन 233, विदिशा 191, सागर में 230, रतलाम में 345, रीवा 339, धार में 245, संक्रमित मिले हैं। राज्य के बाकी जिलों में भी 8 से 230 के बीच कोरोना मरीज मिले हैं।

अभिनव प्रयोग...पुलिसकर्मियों को एम्बुलेंस में मशीन और पाइप लगाकर दिलाई जा रही भाप

गुना। शहर में जगह-जगह तैनात पुलिसकर्मियों के लिए एम्बुलेंस में भाप मशीन एवं पाइप लाइन लगाकर भाप दिलवाई जा रही है। पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी कोरोना के संक्रमण से सुरक्षित रहे, इसके लिए एसपी राजीव कुमार मिश्रा द्वारा एक अभिनव प्रयोग करते हुए पुलिस फोर्स के लिए भाप लेने की व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था में एक एम्बुलेंस में भाप मशीन तैयार कर उसमें पाइप लाइनें लगवाई गई हैं। यह एम्बुलेंस शहर में जगह-जगह लगाए गए पुलिस के फिक्स पाइंट एवं मोबाइल वाहनों पर पहुंचती है और जहां तैनात जवानों को भाप दिलाने का कार्य किया जा रहा है, ताकि पुलिस फोर्स कोरोना से सुरक्षित रह सके।

भिंड में कोरोना आरक्षक की मौत

भिंड। जिले में सोमवार को कोरोना संक्रमित एक जवान की उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मनीष सिसौदिया पुत्र धर्मवीर सिंह उम्र 25 वर्ष निवासी नगला, सुमाली थाना बरहन जिला आगरा जो शहर के 17 बटालियन भिण्ड में आरक्षक के पद पदस्थ था और विगत 5 माह पहले शादी हुई थी और ड्यूटी के दौरान पता नहीं कहां से संक्रमित हो गया था।

विधायक जज्जी ने गुब्बारे फुलवाकर मरीजों से कराई फेफड़ों की एक्सरसाइज

अशोकनगर। विधायक जजपाल सिंह जज्जी ने सोमवार को मरीजों का हौसला बढ़ाने एवं उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने जिला चिकित्सालय के कोविड सेंटर पहुंचे थे। उन्होंने भर्ती मरीजों के फैफड़ों की एक्सरसाइज कराने के लिए उन्हें गुब्बारे दिए और उन्हें फुलाने को कहा। उन्होंने कहा कि कोरोना सिर्फ निमोनिया जैसी ही एक बीमारी है इसमें डरने की जरूरत नहीं डटकर मुकाबला करना है हिम्मत रखनी है, हौसला रखना है। इस दौरान उन्होंने गाना भी गाया और मरीजों को हंसाया भी।

दो मासूमों को मौत की नींद सुलाने के बाद मां ने भी लगाई फांसी

रीवा के सोहागी थाना क्षेत्र की घटना

रीवा, (एजेंसी)। जिले के त्योंथर के सोहागी थाना क्षेत्र के मझगवां मढैया टोला में दो मासूम बच्चों को मौत की नींद सुलाने के बाद मां ने खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

जानकारी के अनुसार रविवार की रात बंद कमरे में 22 वर्षीय निराशा कोरी ने अपने दो छोटे-छोटे मासूम बच्चे 2 वर्षीय आशमी और चार माह की रेशमी का रस्सी से गला घोंटकर बच्चों की मां ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पहुंचे सोहागी थाना प्रभारी पवन शुक्ला ने मौके का मुआयना करने के बाद सोमवार को एफएसएल की टीम को बुलाकर साक्ष्यों को एकत्रित करते हुए घटना के कारणों का पता लगा रही है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए त्योंथर के सिविल अस्पताल भेज दिया है और आगे की कार्यवाही की जा रही है।

बताया है कि निराशा कोरी का पति जब घर के बाहर काम से गया हुआ था, उसी दौरान घटना को अंजाम दिया गया। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद पति के साथ परिवार के अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गृह कलह के चलते महिला ने ये आत्मघाती कदम उठाया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। इस घटना को लेकर पति के साथ परिवार के अन्य सदस्यों के भी बयान लिए जा रहे हैं।

कालाबाजारीः 25 हजार में बेच रहे थे रेमडेसिविर

फार्मासिस्ट समेत दो बंदी

बड़वानी। कोतवाली पुलिस ने रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी के आरोप में सोमवार को एक निजी अस्पताल के फार्मासिस्ट समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक निमिष अग्रवाल ने बताया कि राजपुर निवासी राहुल बडगूजर तथा उसके सहयोगी विनय रजक के विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

उनके पास से एक रेमडेसिविर इंजेक्शन भी बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि राहुल बड़वानी के गुरु पद अस्पताल में फार्मासिस्ट है तथा मेडिकल स्टोर में सेल्समैन का काम भी करता है। दरअसल 29 अप्रैल को वहां भर्ती एक मरीज के लिए 2 इंजेक्शन कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त हुए थे। उनमें से एक इंजेक्शन बचे रहने पर उसे वापस जमा नहीं कराया गया और 25000 रु में बेचा जा रहा था। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर एक पुलिस आरक्षक को ग्राहक बनाकर भेजा गया और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अस्पताल द्वारा इंजेक्शन का रिकॉर्ड भी संधारित नहीं किया जा रहा था। इससे संभावना है कि इस तरह की गतिविधियां पूर्व से चल रही थी। उन्होंने बताया कि इस तरह की सूचनाएं प्राप्त हो रही है कि कुछ लोगों ने अपने घरों में रेमडे सिविर इंजेक्शन और ऑक्सीजन सिलेंडर का स्टॉक भी कर रखा है ,पुष्टि होने पर वहां दबिश दी जाएगी। दोनों आरोपियों को सोमवार को न्यायालय के समक्ष पेश कर 1 दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है।

पूर्व मंत्री राठौर का राजकीय सम्मान से हुआ अंतिम संस्कार

टीकमगढ़, (एजेंसी)। पृथ्वीपुर विधानसभा के विधायक और पूर्व मंत्री बृजेन्द्र सिंह राठौर का कोविड-19 के चलते भोपाल चिरायु हॉस्पीटल में असमय निधन हो गया है। उनका राजकीय सम्मान के साथ गृह ग्राम जेर में अंतिम संस्कार किया गया।

सोमवार को क्षेत्र के विधायक और पूर्व केबिनेट मंत्री बृजेन्द्र सिंह राठौर का भोपाल में निधन हो जाने के उपरांत उनका पार्थिव शरीर एम्बुलेंस से नगर में लाया गया। जहां निवास पर क्षेत्र भर समर्थकों का जमावड़ा लगा रहा। निवास पर आने के उपरांत उनकी माता को अंतिम दर्शन उपरांत उनका पार्थिव शरीर जेर ग्राम स्थित बड़े कुआं खेत पर ले जाया गया। जहां अंतिम दर्शनों के लिये रखा गया। क्षेत्रभर से आये लोगों ने कोविड-19 के तहत लोगों ने पुष्प अर्पित कर अंतिम दर्शन कर अपनी श्रद्धांजलि दी। और उनके पुत्र नितेन्द्र सिंह राठौर के द्वारा रीतिरीवाज के साथ मुखाग्नि दी गई। कोरोना गाइड लाइन के तहत परिजनों ने पीपीई किट पहनकर अंतिम संस्कार सभी रीति-रीवाज पूर्ण किए। पुलिस द्वारा गॉर्ड ऑफ सलामी देकर राजकीय सम्मान से नवाजा गया।

ओलावृष्टि से साग-सब्जी, मूंग, तरबूज की फसल बर्बाद

सिवनी, (एजेंसी)। मौसम में आए बदलाव के चलते गर्मी के मौसम में मई माह में जिले भर में बीते 2 दिन से हल्की फु ल्की बारिश हो रही है। रविवार को जहां दिन में और शाम को बारिश हुई थी वहीं सोमवार को जिले के अनेक ग्राम क्षेत्रों व शहरी इलाकों में बारिश हुई वहीं हथनापुर, मडवा, ढाना, कन्हरगांव, जाम किशनपुर आदि ग्राम क्षेत्रों में कहीं चना तो कहीं आंवले के आकार के ओले गिरे। ओलावृष्टि से इन ग्राम क्षेत्रों के खेतों में लगी साग-सब्जी मूंग, धनिया, ककड़ी, कद्दू, ढींगरा, तरबूज आदि की फसल ओलावृष्टि से बर्बाद हो गई। किसानों का काफी नुकसान हुआ।

अचानक बारिश से हजारों क्विंटल गेहूं गीला

रविवार और सोमवार की बारिश के चलते कई खरीदी केन्द्रों में हजारों क्विंटल गेहूं भींग गया। जिसके तरफ ना तो खरीदी केन्द्र प्रभारी ने ध्यान दिया और ना ही अन्य अधिकारियों ने कई खरीदी केन्द्र ऐसे है,जहां ढांकने का साधन नही है। जिससे बारिश से बचाया जा सके। तथा खरीदी गई गेहूं खुले आसमान के नीचे रखी हुई है। जो कि अचानक बारिश हवा-तूफान से गेहूं भींग गया। तथा अफरा-तफरी का माहौल भी बन गया। कुरई विकासखंड के ग्राम चक्कीखमरिया व मातृधाम में गेहूं का भी यही बुरा हाल हुआ। खुले आसमान के नीचे रखा हजारों क्विंटल गेहूं रखा हुआ है। ना तो इसे ढांकने की पर्याप्त व्यवस्था है ना रखने की कोई व्यवस्था है।

नसरुल्लागंज में हुई ओलों की बरसात

सीहोर। नसरुल्लागंज में सोमवार को दोपहर 2 बजे के लगभग अचानक मौसम ने करवट बदली और तेज हवाओं के साथ बरसात का दौर शुरू हो गया। पहले तो बरसात शुरू हुई लेकिन उसके बाद अचानक ही ओले गिरना शुरू हो गए। नगर में सड़कों पर ओले भी दो अलग-अलग शिफ्ट में देखे गए। पहले धने साइज के ओले गिरे जो कुछ सेकंड के थे। उसके बाद तेज बरसात का सिलसिला शुरू होते ही पुनरू ओले गिरना शुरू हो गए। दोनों ही बार लगभग 2 मिनट तक ओलों की बरसात नगर में होती रही।

बैतूल में झमाझम बारिश

बैतूल। मुलताई में सोमवार सुबह तेज धूप तपने के बाद दोपहर में आसमान पर काले-काले बादलों ने डेरा जमा लिया तथा शाम को झमाझम बारिश हुई। बारिश के कारण पूरे वातावरण में ठंडक घुल गई जिससे लोगों को भीषण गर्मी से निजात मिली तथा शाम को ठंडी हवाओं ने मौसम सुहाना कर दिया। बताया जा रहा है कि ग्रामीण अंचलों में बारिश के पूर्व तेज हवाओं के चलने से कई स्थानों पर ग्रामीणों के घरों के टीन तथा शेड क्षतिग्रस्त हुए हैं वहीं खेत में रखा हुआ सामान भी प्रभावित हुआ है।

जज्बा इंदौर के 30 युवाओं की टीम ने 500 परिवारों तक पहुंचाई नि:शुल्क आक्सीजन, अनवरत जारी है कार्य

निशुल्क आक्सीजन सिलेंडर पहुंचाकर दिन-रात कर रहे सेवा

इंदौर (एजेंसी)।

दिल में यदि सेवा का जज्बा हो,तो कोई भी काम मुश्किल नहीं है। इस बात को इन दिनों इंदौर के 30 युवा चरितार्थ करने में लगे हैं। शहर की संस्था मां अन्नपूर्णा और 24 बाय 7 के जागरूक रहवासी के 30 युवाओं का ग्रुप जो कि दिन-रात होम आइसोलेशन के मरीजों को फ्री ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध करा रहा है। यह ग्रुप अब-तक 500 से ज्यादा परिवारों तक ऑक्सीजन सिलेंडर पहुंचा चुका है। 24 घटें दिन-रात निशुल्क सेवा कर रहे हैं इन युवाओं को एक ही लक्ष्य है जिस व्यक्ति को जरूररत हो उन-तक पहुंचा दी जाए आक्सीजनं।

शहर में अब-तक सूर्यदेव नगर, सुदामा नगर, ट्रेजर फैंटेंसी, अन्नपूर्णा नगर, वैशाली नगर, राजेंद्र नगर, श्रमिक कॉलोनी-राऊ में भी ऑक्सीजन सिलेंडर पहुंचा चुके हैं। ग्रुप में अमित शर्मा, आलोक गुप्ता, सजीमन जॉय, अनिल सिलार, जय होलकर, कुलदीप त्यागी, लोकेंद्र पाटीदार, बलराम पाटीदार, अरुण कटारिया, पंकज मालवीय, आलोक रोहिल्ला, हिमांशु पाटीदार, शंकर खंडेलवाल सहित कई लोगों की टीम है जो सेवा कर रही है। व्यवस्था संभालने के लिए प्रवीण रोहिल्ला, सुनील रघुवंशी, रजनीश धवन, आशीष शर्मा, अवधेश शर्मा, आशीष हेरलेकर, राकेश शाह, रूपेश वर्मा, आशीष सिंह, लोकेश बब्बर, गिरीश पाटीदार, विपिन झंवर, नीरज नागर, मुकेश भायल आदि शामिल हैं।

जरूरतमंदों तक समय पर पहुंचे ऑक्सीजन यही हमारा लक्ष्य

ग्रुप के प्रमुख विक्की मालवीय के मुताबिक उन्हें आक्सीजन सेवा की प्रेरणा कृष्णा बिरला से मिली जो एम्बुलेंस का कार्य करते हैं, उनकी गतिविधिया कई बार देखी और उनके पास हमेशा ही लोग सिलेंडर मांगने आते थे, कई बार उनको ऑक्सीजन सिलेंडर लगाते हुए देखा है। इस देख मिली प्रेरणा।

निशुल्क आक्सीजन बैंक का होगा शुभारंभ

सिवनी। शहर के श्रीजैन श्वेतांबर श्रीसंघ सिवनी द्वारा वर्तमान में निशुल्क ऑक्सीजन बैंक का शुभारंभ किया जा रहा है। मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रकाश चंद नहाटा एवं सचिव संजय कुमार मालू ने बताया कि इन दिनों ऑक्सीजन सिलेंडर की कमी के चलते कई मरीजों का चिकित्सीय इलाज नहीं हो पाया, जिस कारण बहुत से लोग अपने परिजनों से बिछुड़े हैं। समाज के लोगों ने निर्णय लिया है कि निशुल्क ऑक्सीजन बैंक का शुभारंभ किया जाए। इस बैंक में ऑक्सीजन कसंट्रेटर मशीन की व्यवस्था की जाएगी। समिति ने अभी 20 ऑक्सीजन कसंट्रेटर मशीन का आर्डर दिया है जो एक मिनट में 8 लीटर ऑक्सीजन तैयार करती है जिसमे रिफलिंग की जरूरत भी नहीं पड़ती। समाज के सहयोग से अभी तक 10 मशीनें प्राप्त हो गई हैं और 10 मशीनें प्राप्त होना बाकी है। जरूरतमंदों को उपलब्धता के आधार पर निशुल्क अधिकतम 3 दिन के लिए मशीन दी जाएगी जिसके लिए सुरक्षा निधि 2500 रुपया जमा करना होगा। जो कि मशीन वापसी के समय राशि वापस कर दी जाएगी। मशीन के लिए मरीज के आधार कार्ड की कॉपी एवं कोविड रिपोर्ट की कॉपी देना होगा।

जवानों से भरी बस को ब्लास्ट कर उड़ाने वाले तीन नक्सली गिरफ्तार

नारायणपुर, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के छोटेडोंगर पुलिस ने तीन नक्सलियों को टेमरुगांव से गिरफ्तार किया है। जवानों से भरी बस को आईडी ब्लास्ट कर उड़ाने की वारदात में ये तीनों नक्सली शामिल थे। घटना में कुछ और नक्सली शामिल थे, जिनकी तलाश जारी है।

छोटेडोंगर थाना के एसडीओपी अर्जुन कुर्रे ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि एक आरोपी से पूछताछ के बाद नक्सली मानुराम कोर्राम, मंदा कुर्राम और पवन कुर्राम को गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों जवानों की बस में आईईडी ब्लास्ट करने की घटना को स्वीकार किया है। उन्होंने आगे बताया कि इस घटना में कुछ और नक्सली शामिल थे, जिनके नाम भी सामने आए है। उन नक्सलियों तलाश की जा रही है। ये नक्सली सुरक्षा बल के जवानों पर हमला करने से पहले रेकी भी करते थे। कई अलग-अलग नक्सली घटनाओं को भी अंजाम दे चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि 23 मार्च को डीआरजी के जवान नक्सल ऑपरेशन से लौट रहे थे। इसी दौरान नारायणपुर जिले के कन्हार गांव के बीच नक्सलियों ने जवानों से भरी बस को आईईडी ब्लास्ट कर उठा दिया था। इस हमले में 5 डीआरजी के जवान शहीद हो गए थे।

भारत में 2-3 महीने और रहेगी वैक्सीन की किल्लत : पूनावाला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ अडार पूनावाला ने कहा कि भारत को अगले कुछ महीनों तक वैक्सीन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ वैक्सीन निर्माण की क्षमता जुलाई से पहले नहीं बढ़ने वाली है। आपको बता दें कि भी 6 से 7 करोड़ वैक्सीन का उत्पादन हो रहा है। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि उन्होंने ऑर्डर की कमी के कारण पहले क्षमता का विस्तार नहीं किया था। इस कारण से वैक्सीन की कमी का संकट जुलाई के तक जारी रहेगी। उन्होंने कहा, कोई ऑर्डर नहीं था। हमें नहीं लगता था कि हमें एक साल में 100 करोड़ से अधिक खुराक बनाने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों को जनवरी में दूसरी लहर की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने आगे कहा, हर कोई वास्तव में महसूस कर रहा था कि भारत में महामारी खत्म होने के कगार पर थी सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ अडार पूनावाला ने कहा कि भारत को अगले कुछ महीनों तक वैक्सीन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ वैक्सीन निर्माण की क्षमता जुलाई से पहले नहीं बढ़ने वाली है। आपको बता दें कि भी 6 से 7 करोड़ वैक्सीन का उत्पादन हो रहा है। ऑर्डर की कमी के कारण पहले क्षमता का विस्तार नहीं किया था। इस कारण से वैक्सीन की कमी का संकट जुलाई के तक जारी रहेगी। उन्होंने कहा, कोई ऑर्डर नहीं था। हमें नहीं लगता था कि हमें एक साल में 100 करोड़ से अधिक खुराक बनाने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों को जनवरी में दूसरी लहर की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने आगे कहा, हर कोई वास्तव में महसूस कर रहा था कि भारत में महामारी खत्म होने के कगार पर थी। दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन बनाती है जिसे स्थानीय रूप से कोविशिल्ड ब्रांड नाम से वितरित किया जाता है। केंद्र सरकार ने अब तक इसका पूरा उत्पादन खरीदा है, लेकिन इस महीने की शुरूआत में राज्यों और निजी अस्पतालों को भी वैक्सीन खरीदने की अनुमती दी गई है। सरकार ने 1 मई से 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू किया है। हालांकि टीके की कमी के कारण फिलहाल प्रभावी ढंग से इसकी शुरूआती नहीं हो सकती है। एक मई को सिर्फ 18 लाख लोगों का टीकाकरण संभाव हुआ था। आपको बता दें कि भारत में अब तक करीब 16 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाई गई है। यह देश की आबादी का सिर्फ 12 प्रतिशत है। हालांकि दूसरी डोज लेने वालों की संख्या काफी कम है। यह सिर्फ दो प्रतिशत है। पूनावाला ने कहा कि राजनेताओं और आलोचकों ने टीके की कमी के लिए एसआईआई को दोषी ठहराया है, लेकिन वैक्सीन नीति सरकार द्वारा बनाई गई थी। आपको बता दें कि भारत में टीकाकरण अभियान की शुरूआत 16 जनवरी को हुई थी। केंद्र सरकार ने शुरू में रक्क से 2.1 करोड़ टीके मंगवाए थे। मार्च में जब मामले बढ़ने लगे तो अतिरिक्त 11 करोड़ डोज का ऑर्डर दिया गया था। विस्तारित टीकाकरण अभियान के लिए राज्यों और निजी अस्पतालों से अधिक कीमत वसूलने के लिए भी कंपनी की आलोचना की गई है। सीरम ने बाद में राज्य सरकारों द्वारा भुगतान की जाने वाली कीमत को 400 रुपये से घटाकर 300 रुपये कर दिया था।

शिमला। मुख्यमंत्री ने सिराज विधानसभा क्षेत्र के बालीचैकी के लिए 14.36 करोड़ रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

अगरतला में पद के हटाए गए शादी समारोह में मेहमानों के साथ बदसलूकी करने वाले जिलाधिकारी

अगरतला, (एजेंसी)। त्रिपुरा सरकार ने अगरतला के जिलाधिकारी डॉ शैलेश कुमार यादव को हटा दिया है। उनके खिलाफ कोरोना गाइडलाइन्स के उल्लंघन के आरोप में एक शादी समारोह के दौरान दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा है।

उनका यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया था। रविवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार को लिखे पत्र में शैलेश यादव ने उनसे अगरतला के डीएम के प्रभार से मुक्त करने का अनुरोध किया था, क्योंकि इस घटना के बारे में उनसे पूछताछ चल रही है।

यादव ने पत्र में लिखा था कि त्रिपुरा सरकार ने 26 अप्रैल 2021 की रात को हुई घटनाओं की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है। निष्पक्ष जांच के लिए मैं खुद को पश्चिमी जिला के जिलाधिकारी पद के प्रभार खुद को मुक्त करने के लिए अनुरोध करता हूं। कानून मंत्री रतन लाल नाथ ने कहा मुख्य सचिव ने उनके पत्र को स्वीकार कर लिया और उन्हें जिला मजिस्ट्रेट के अपने पद से मुक्त कर दिया। उद्योग और वाणिज्य विभाग के निदेशक रवेल हमेंद्र कुमार को फिलहाल पश्चिम जिला मजिस्ट्रेट का प्रभार दिया गया है।

यादव 26 अप्रैल की रात को एक शादी समारोह को रोक दिया था। इस दौरान उनपर मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों, मेहमानों और विवाह कराने वाले पंडित के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा है। उन्होंने दूल्हा और दुल्हन को भी समारोह स्थल खाली करने पर मजबूर कर दिया था। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया।

सियासी चाणक्य पीके के संन्यास से चिंता में पड़े अमरिंदर

चंडीगढ़, (एजेंसी)। सन 2022 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले हाईकोर्ट की ओर से कोटकपूरा गोली कांड की रिपोर्ट को खारिज किए जाने के बाद पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को एक और झटका लगा है। कैप्टन अमिरिंदर के राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने अब किसी भी राजनीतिक दल के लिए सियासी रणनीति बनाने से संन्यास ले लिया है।

मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति बनाने के लिए पीके को दो माह पहले ही प्रधान सलाहकार बनाया था। पीके ने ऐसे समय में संन्यास की घोषणा की है, जब पंजाब में कांग्रेस बेअदबी कांड को लेकर उलझन में फंसी हुई है, जबकि पीके ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चुनावी रणनीति बनाई थी।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भारी बहुमत से जीती तो तमिलनाडु में पीके ने स्टालिन द्रविड के लिए काम किया था। 2017 में पीके ने कैप्टन अमरिंदर सिंह के लिए रणनीति तैयार की थी। जिसके बाद पंजाब में कांग्रेस का 10 साल का सत्ता का सूखा खत्म हुआ था। पीके की रणनीति का लोहा मानते हुए कैप्टन अमरिंदर ने उन्हें एक मार्च को अपना प्रधान सलाहकार नियुक्त किया था। उन्हें कैबिनेट रैंक भी दी गई थी। इसके बाद पीके ने पंजाब में न सिर्फ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, बल्कि वह विधायकों से फीडबैक भी ले रहे थे।

दो राज्यों में 100 फीसदी रिजल्ट देने के बाद पीके ने अचानक संन्यास लेने की घोषणा से कांग्रेस खेमे में सन्नाटा छा गया है। अब यह सवाल भी उठने लगे हैं कि क्या दो माह की वर्किंग के बाद क्या पीके, कैप्टन के लिए 2022 की रणनीति तैयार करने के इच्छुक नहीं थे। क्योंकि 2017 में कांग्रेस ने किसानों की कर्ज माफी, घर-घर रोजगार, युवाओं को मोबाइल फोन, 2500 रुपए बेरोजगारी भत्ता, निजी बिजली कंपनियों से करार खत्म करने, गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के दोषियों को सजा दिलवाने, ट्रांसपोर्ट माफिया व केबल माफिया खत्म करने जैसे वादे किए थे। ये वे वादे हैं जिसमें से कुछ पर आंशिक तौर पर काम हुआ और शेष पर काम नहीं हो पाया।

वहीं, कोटकपूरा गोली कांड की रिपोर्ट भी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। जिसके बाद से ही कांग्रेस में घमासान मचा हुआ है। पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू समेत कांग्रेस के विधायक ही सरकार को घेरने का प्रयास कर रहे हैं। बेअदबी कांड भले ही 2015 में हुआ हो, लेकिन यह ऐसी घटना है जिसने 10 वर्ष से लगातार सत्ता में बनी हुई अकाली-भाजपा गठबंधन सरकार को उखाड़ दिया था। ऐसे में कांग्रेस को पीके से खासी उम्मीदें थी। हालांकि पीके ने संन्यास के पीछे निजी कारण बताए हैं लेकिन इसे पंजाब में कैप्टन सरकार के लिए खासा बड़ा झटका माना जा रहा है।

प्रशांत किशोर भले ही एक रुपये वेतन पर प्रधान सलाहकार बने थे, लेकिन वह शुरू से ही विपक्ष के निशाने पर थे। उनके सलाहकार बनने के बाद से ही शिरोमणि अकाली दल और आम आदमी पार्टी ने किसान कर्ज माफी, घर-घर रोजगार, बेरोजगारी भत्ते जैसे मुद्दों पर सवाल पूछने शुरू कर दिए थे। वहीं, यह सूचनाएं भी आईं कि पीके कांग्रेस के 30 विधायकों के टिकट कटवाने के इच्छुक हैं। इस पर कांग्रेस में खासा घमासान मचा था। जिस पर मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को स्पष्ट करना पड़ा था कि पीके केवल सलाह दे सकते है, पार्टी के कामकाज में हस्तक्षेप नहीं कर सकते।

शादी रोक मंडप से उठी दुल्हन, लिया जीत का प्रमाण पत्र

रामपुर, (एजेंसी)। रामपुर में हाथों में मेहंदी सजाए और वरमाला लिए जीवनसाथी के साथ सात जन्मों के बंधन से बंधने से पहले दुल्हन को पंचायत चुनाव में क्षेत्र पंचायत सदस्य पद पर जीत की खबर मिल गई। जिसके बाद सजी-धजी दुल्हन वैवाहिक रस्मों के बीच ही पहले मतगणना स्थल पर पहुंची और जीत का प्रमाण पत्र लिया। इसके बाद दोबारा घर पहुंचकर जीवनसाथी संग सात फेरे लिए। पंचायत चुनाव में दुल्हन की जीत का यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय है।

मामला मिलक थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर जदीद गांव का है। गांव निवासी पूनम शर्मा पुत्री गंगासरन की शादी बरेली जिले के शाही थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव बफरी निवासी एक युवक से तय हुई थी।

पूनम शर्मा ने पंचायत चुनाव में क्षेत्र पंचायत सदस्य पद पर दावेदारी की थी और चुनाव लड़ा था। रविवार दो मई को पूनम शर्मा की बरात आई हुई थी और एक बारात घर में वैवाहिक रस्में चल रहीं थी। इसी दौरान पूनम शर्मा की क्षेत्र पंचायत सदस्य पद पर जीत की खबर आ गई। पूनम शर्मा को कुल 601 मत मिले और उन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी शकुंतला को 31 मतों से हरा दिया। जीत की खबर सुनकर दुल्हन के रूप में सजी पूनम शर्मा सीधे मतगणना स्थल पहुंच गईं और अपना जीत का प्रमाण पत्र लिया। इसके बाद दोबारा वैवाहिक स्थल पर पहुंचकर शादी की अन्य रस्मों को पूरा किया।

कोरोना से लड़ रहे भारत को 1 हजार वेंटिलेटर भेजेगा ब्रिटेन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 मई को यूके के प्रधानमंत्री बोरिस जनसन के साथ एक वर्चुअल मीटिंग करने जा रहे हैं। बता दें कि इस मीटिंग से पहले यूके भारत को 1000 वेंटिलेटर भेजने की तैयारी में है। इस मीटिंग के जरिए दोनों देशों के बीच के रिश्तों को मजबूत और द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करेंगे। इस समिट में दोनों नेता रोडमैप-2030 को लॉन्च करेंगे। ब्रिटेन सरकार ने वार्ता की अनुसूची की पुष्टि की करते हुए कहा है कि ब्रिटेन के अधिशेष आपूर्ति से 1,000 और वेंटिलेटर भेजे जाएंगे जो कोरोना महामारी से जूझ रहे भारत की मदद करने के लिए होंगे। अस्पतालों को कोविड मामलों से लड़ने के लिए मदद भेजी जाएगी, पिछले महीने जिस राहत पैकेज की घोषणा हुई थी उसके तहत अन्य 200 वेंटिलेटर, 495 ऑक्सीजन सांद्रता और तीन ऑक्सीजन उत्पादन इकाइयों की मदद शामिल है। डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा, मंगलवार को यूके के प्रधानमंत्री और भारत के बीच सहयोग को गहरा करने के लिए प्रतिबद्धताओं की बड़ी सीरीज के लिए एक वर्चुअल बैठक करेंगे, जिसमें कोरोनोवायरस महामारी से लड़ने पर होने वाली चर्चा भी शामिल होगा। प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने आह्वान के दौरान, यूके के प्रधानमंत्री हमारे साझा मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ काम करने के महत्व पर जोर देंगे। बहुत जरूरी उपकरणों की पेशकश के अलावा, यूके सरकार ने कहा कि इंग्लैंड के मुख्य चिकित्सा अधिकारी क्रिस व्हिट्टी और मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार पैट्रिक वालेंस ने अपने भारतीय समकक्षों को भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली के लिए सलाह, अंतर्दृष्टि और विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए बात कही है। यह सहमति व्यक्त की गई है कि ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा भारत के कोविड प्रतिक्रिया का समर्थन करने के लिए एनएचएस इंग्लैंड के मुख्य लोग अधिकारी के नेतृत्व में एक नैदानिक सलाहकार समूह स्थापित करना है। बता दें कि यूके के प्रधानमंत्री जॉनसन ने कोरोना के बढ़ते कहर को देखते हुए इस साल होने वाले भारत दौरे को भी रद्द कर दिया था। उनकी भारत यात्रा की शुरूआत 25 अप्रैल से होने वाली थी, लेकिन कोरोना के मामलों में होने वाली बढ़ोतरी के कारण दौरा रद्द करना पड़ा था। इससे पहले भी जॉनसन को गणतंत्र दिवस परेड के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल किया जाना था, लेकिन उनके उस दौरे को भी रद्द कर दिया गया था। ब्रिटिश सरकार उस दौरान देश में फैल रहे वायरस के नए वेरिएंट से निपट रही थी।

हजरत निजामुद्दीन-हबीबगंज एक्सप्रेस व शताब्दी सहित कई ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना महामारी को काबू करना मुश्किल हो रहा है। रोज रिकॉर्ड केस आ रहे हैं। इसके कारण राज्यों को लॉकडाउन लगाना पड़ा है। यात्रियों की घटती संख्या और विभिन्न राज्यों में बढ़ती सख्ती के बीच रेलवे ने कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है। हजरत निजामुद्दीन से झांसी के बीच चलने वाली देश की सबसे तेज गति वाली ट्रेन गतिमान, कालका शताब्दी सहित कई अन्य ट्रेनों का परिचालन फिलहाल बंद कर दिया गया है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक महाराष्ट्र और पंजाब की ओर जाने वाली ट्रेनों में जिस तरह से यात्रियों की कमी हो रही है उसे देखते हुए आने वाले दिनों में कई अन्य ट्रेनें रद हो सकती हैं। हालांकि, बिहार जाने वाली ट्रेनों में भीड़ कम नहीं हो रही है। लोगों को कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा है। यात्रियों की परेशानी दूर करने के लिए लगातार विशेष ट्रेनें चलानी पड़ रही हैं। इनके अलावा नई दिल्ली-अमृतसर शताब्दी, नई दिल्ली-चंडीगढ़ शताब्दी निजामुद्दीन-बांद्रा टर्मिनल युवा एक्सप्रेस, बांद्रा टर्मिनल-अमृतसर क्लोन एक्सप्रेस, पुणे दुरंतो, इंदौर-सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस, इंदौर-ऊधमपुर एक्सप्रेस, इंदौर-चंडीगढ़ एक्सप्रेस, इंदौर-अमृतसर एक्सप्रेस, राजकोट-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस, बरेली-दिल्ली, लालकुआं-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन-हबीबगंज एक्सप्रेस को रद्द किया गया है।

मंत्री और विधायक घर-गांव में अपनों को नहीं जिता सके

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पंचायत चुनाव ने सत्ता और विपक्ष के कई विधायकों, सांसदों यहां तक कि मंत्रियों तक को हैरत में डाल दिया है। ये दिग्गज अपने गांव में ही अपने परिवार के सदस्य को प्रधान यहां तक कि क्षेत्र पंचायत सदस्य का चुनाव नहीं जिता सके। मिली जानकारी के मुताबिक कैबिनेट मंत्री रमापति शास्त्री के भतीजे गांव में प्रधान पद का चुनाव हार गए। निकटतम प्रतिद्वंदी ने मंत्री के भतीजे को 201 वोटों से हरा दिया। इसी प्रकार बस्ती जिले के हरैर्या विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक अजय सिंह की सगी भाभी कविता सिंह क्षेत्र पंचायत सदस्य का चुनाव हार गईं। यह दोनों सूचनाएं शाम से ही सोशल मीडिया पर खूब चलीं। पंचायत चुनाव में जिस बड़ी तैयारी के साथ भाजपा मैदान में उतरी थी मतगणना के शुरूआती रूझानों से उसके नतीजे आते नजर आ रहे हैं। रात दस बजे तक भाजपा खेमे में जिलों से पहुंची सूचना के आधार पर दावा किया जा रहा है कि जिला पंचायत सदस्य की 70 फीसदी सीटों पर भाजपा को जीत मिल सकती है। अंतिम परिणाम आने का इंतजार हो रहा है जो कि सोमवार दोपहर तक आ जाने की उम्मीद की जा रही है। भाजपा ने जिला पंचायत की सभी 3052 सीटों पर पार्टी से समर्थित प्रत्याशी मैदान में उतारे थे। जीत हासिल करने के लिए व्यापक तैयारी के साथ पार्टी ने काम भी किया। पहले चरण के मतदान के बाद कोरोना के भयावह प्रसार के बाद तैयारियां बाधित हुईं तो भाजपा के बड़े नेताओं ने वर्चुअली बैठकों के माध्यम से अपनी तैयारी को रफ्तार दी थी। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व पंचायत चुनाव के प्रभारी विजय बहादुर पाठक के मुताबिक रात दस बजे तक उन्होंने करीब आठ सौ जिला पंचायत वार्डों के रूझानों की जानकारी हासिल की थी। रूझान पार्टी की उम्मीदों के अनुकूल दिख रहे हैं। रूझान परिणाम में तब्दील हुए तो जिला पंचायत की करीब 70 फीसदी सीटें भाजपा जीत जाएगी। शुरूआती रूझानों के आधार पर माना जा रहा है कि जिला पंचायत की यदि 70 फीसदी सीटें भाजपा जीत जाती है तो अधिकांश जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष पर पार्टी की जीत आसान हो जाएगी। अंतिम परिणाम आने के बाद पार्टी इस मुद्दे पर बैठक कर आगे की रणनीति बनाएगी।

केंद्र ने जीएसटी के तहत करदाताओं के लिए घोषित किए कई राहत उपाय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बढ़ते प्रकोप के कारण वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कानून के तहत विभिन्न वैधानिक और नियामकीय अनुपालनों को पूरा करने में करदाताओं के समक्ष आ रही चुनौतियों के मद्देनजर सरकार ने कई अधिसूचनाएं जारी करके करदाताओं के लिए कई राहत उपायों की घोषणा की है।

5 करोड़ रुपए से अधिक के कुल कारोबार वाले पंजीकृत व्यक्तियों के लिए मार्च 2021 और अप्रैल 2021 की कर अवधियों हेतु देय कर, जो क्रमशः अप्रैल 2021 और मई 2021 में देय हैं, के लिए कर भुगतान की अंतिम तिथि से लेकर पहले 15 दिनों के लिए 9 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर और उसके बाद 18 फीसदी ब्याज दर को अधिसूचित किया गया है। वहीं 5 करोड़ रुपए तक के कुल कारोबार वाले पंजीकृत व्यक्तियों के लिए मार्च 2021 और अप्रैल 2021 की कर अवधियों हेतु देय कर, जो क्रमशः अप्रैल 2021 और मई 2021 में देय हैं के लिए सामान्य करदाताओं और क्यूआरएमपी योजना के तहत आने वाले करदाताओं दोनों ही के लिए कर भुगतान की अंतिम तिथि से लेकर पहले 15 दिनों के लिए शून्य ब्याज दर अगले 15 दिनों के लिए 9 प्रतिशत ब्याज दर और उसके बाद 18 प्रतिशत ब्याज दर को अधिसूचित किया गया है।

कंपोजिशन स्कीम के तहत कर भुगतान करने का विकल्प चुनने वाले पंजीकृत व्यक्तियों के लिए 31 मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही के लिए देय कर, जो अप्रैल 2021 में देय था, के लिए कर भुगतान की अंतिम तिथि से लेकर पहले 15 दिनों के लिए शून्य ब्याज दर, अगले 15 दिनों के लिए 9 प्रतिशत ब्याज दर और उसके बाद 18 प्रतिशत ब्याज दर को अधिसूचित किया गया है।

विलंब शुल्क माफ किए जाने की दिशा में 5 करोड़ रुपये से अधिक के कुल कारोबार वाले पंजीकृत व्यक्तियों के लिए मार्च 2021 और अप्रैल 2021 की कर अवधियों, जो क्रमशः अप्रैल 2021 और मई 2021 में देय हैं, के लिए अंतिम तिथि के बाद फॉर्म जीएसटीआर-3बी में जमा किए गए रिटर्न के संबंध में विलंब शुल्क को 15 दिनों के लिए माफ कर दिया गया है।

5 करोड़ रुपए तक के कुल कारोबार वाले पंजीकृत व्यक्तियों के लिए मार्च 2021 और अप्रैल 2021 की कर अवधियों (मासिक रिटर्न दाखिल करने वाले करदाताओं के लिए), जो क्रमशः अप्रैल 2021 और मई 2021 में देय हैं, के लिए और जनवरी-मार्च 2021 की अवधि (क्यूआरएमपी योजना के तहत त्रैमासिक रिटर्न दाखिल करने वाले करदाताओं के लिए), जो अप्रैल 2021 में देय है, के लिए अंतिम तिथि के बाद फॉर्म जीएसटीआर-3बी में जमा किए गए रिटर्न के संबंध में विलंब शुल्क को 30 दिनों के लिए माफ कर दिया गया है। जीएसटीआर-1, आईएफएफ, जीएसटीआर-4 और आईटीसी-04 दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाई गई है। अप्रैल महीने के लिए फॉर्म जीएसटीआर-1 और आईएफएफ दाखिल करने की अंतिम तारीख (मई में निर्दिष्ट) 15 दिन बढ़ा दी गई है। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए फॉर्म जीएसटीआर-4 दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2021 से बढ़ाकर 31 मई, 2021 कर दी गई है। इसके अलावा जनवरी-मार्च, 2021 की तिमाही के लिए फॉर्म आईटीसी-04 दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल, 2021 से बढ़ाकर 31 मई, 2021 कर दी गई है।

शिमला। राज्यपाल ने कुलपतियों से कोविड के विरुद्ध लड़ाई में सहयोग का आह्वान किया।

भारत दुनिया का तीसरा देश हुआ जहां सबसे ज्यादा मौतें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना मरीजों की संख्या 1 करोड़ 99 लाख 19 हजार 715 हो गई है। मतलब आज ये आंकड़ा 2 करोड़ के पार हो जाएगा। भारत ऐसा दूसरा देश होगा जहां दो करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके होंगे। अमेरिका में सबसे ज्यादा 3.38 करोड़ लोग संक्रमित हो चुके हैं। पिछले दो दिनों से नए मरीजों के आंकड़ों में गिरावट दर्ज हो रही है। रविवार को देश में 3 लाख 69 हजार 942 मरीज सामने आए हैं। 2 लाख 99 हजार 800 लोग ठीक हो गए। शुक्रवार को देश में रिकॉर्ड 4 लाख 2 हजार 14 लोग संक्रमित पाए गए थे, जो शनिवार को घटकर 3 लाख 92 हजार 459 हो गए थे। सबसे ज्यादा मौतों वाले देशों में भारत मैक्सिको को पीछे छोड़कर तीसरे नंबर पर आ गया है।

अलग अलग तरह का काम मुझे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है : इलियाना डीक्रूज

अभिनेत्री इलियाना डीक्रूज का कहना है कि उनकी लगभग सभी भूमिकाओं ने उन्हें आश्चर्यचकित किया कि उन्होंने इसे कैसे किया, और यही उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। इलियाना ने आईएएनएस से कहा, मुझे लगता है कि मैं लगातार जिन फिल्मों में काम कर रही हूं ,उन्हें देखकर लगातार सवाल करती हूं कि मैं इसे कैसे करूंगी, और यही मुझे आगे बढ़ाता है क्योंकि मुझे लगता है कि अगर मैं पूरी तरह से अहंकारी और आत्मविश्वास से भरकर फिल्म करूंगी तो मैं वास्तव में अपने किरदार के साथ न्याय नहीं कर पाऊंगी इलियाना, जिन्हें हाल ही में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई फिल्म द बिग बुल में देखा गया, का कहना है कि उन्हें अनिश्चितता पसंद है। वर्कफ्रंट की बात करें तो इलियाना जल्द ही अपनी आने वाली फिल्म अनफेयर एन लवली में नजर आएंगी। हरियाणवी रंग में रंगी इस फिल्म में इलियाना के रणदीप हुड्डा भी नजर आएंगे।

मंदिरा बेदी जल्द ही एक मर्डर मिस्ट्री सीरीज में पुलिस के रोल में नजर आएंगी

मंदिरा बेदी जल्द ही अपनी आने वाली मर्डर मिस्ट्री सीरीज में एक पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आएंगी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं रूहाना धुलप का किरदार निभा रही हूं, जो एक तेज तर्रार और शानदार पुलिस अधिकारी है। इसकी कहानी एक युवा व्यवसायी की हत्या के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक काफी पेंचीदा मामला है। इसे सुलझाने के लिए वह अपना पूरा दम लगा देती है। उन्होंने आगे कहा, मैं इससे पहले भी पुलिस ऑफिसर के किरदार में काम कर चुकी हूं, लेकिन रुहाना का किरदार अलग है और मैंने इसे काफी एंज्वॉय भी किया है। उसका सवाल करने और केस को हल करने का अपना एक तरीका है। मैं इस सीरीज को लेकर काफी एक्साइटेड हूं। शो के शीर्षक और अन्य बारीकियों पर अभी भी काम चल रहा है। सीरीज में मंदिरा के अलावा सिड मक्कार, दीपान्विता शर्मा और नौहिद साइरसी भी नजर आएंगे। सीरीज को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज किया जाएगा।

हिना खान से शरमन जोशी तक, 2021 में इन 8 सितारों पर टूटा दुखों का पहाड़

साल 2020 की तरह की 2021 पर भी कोविड का कहर दिख रहा है। एक ओर जहां कोरोना संक्रमितों की संख्या में बड़ा इजाफा दिख रहा है तो वहीं मृतकों की भी संख्या कम नहीं है। मनोरंजन जगत से भी बीते कुछ वक्त में कई बुरी खबरें सुनने को मिली हैं। टीवी के कई कलाकार ऐसे हैं जिस पर साल 2021 कहर बनकर टूटा है और उन्होंने किसी अपने को खोया है। इस स्पेशल रिपोर्ट में आपको बताते हैं उन सितारों के बारे में जिन्होंने किसी अपने को इस साल खो दिया।

अमन वर्मा

11 अप्रैल को अमन वर्मा की मां घर पर फिसल गई थीं, जिसके बाद उन्हें नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां जांच में वो कोविड संक्रमित भी पाई गई। अमन ने बताया था कि कोविड के साथ ही उनकी मां हाइपरटेंशन सहित कुछ और समस्याओं से भी जूझ रही थीं। अस्पताल में भर्ती होने के कुछ दिन बाद उनका ऑक्सीजन लेवल काफी गिर गया और 18 अप्रैल को उनका निधन हो गया। हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में अमन वर्मा ने मां को खोने का दर्द जाहिर करते हुए बताया कि मां के आखि?री समय में उन्हें अपनी मां का साथ तक नसीब नहीं हुआ। वे कहते हैं- मेरे हॉस्पि?टल पहुंचने से 12 मिनट पहले मेरी मां चल बसीं। ये ताउम्र मेरे जेहन में रहेगा।

भरत चावड़ा

टीवी अभिनेता भरत चावड़ा ने भी कोरोना काल में अपनी मां को खो दिया। सोशल मीडिया पर भरत ने अपनी मां के निधन की जानकारी साझा करते हुए भावुक पोस्ट लिखा था। भरत ने बताया था कि वो काफी अकेले हो गए हैं और उन्हें अपनी मां की याद सता रही है।

राम कपूर

जाने माने अभिनेता राम कपूर पर भी दुखों का पहाड़ तब टूटा जब उनके पिता ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। राम कपूर के पिता के निधन के बाद अमूल ने उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रिब्यूट भी दिया था।

हिना खान

हिना खान को पिता के निधन की खबर तब मिली थी, जब वो अपने पिता के पास नहीं थीं। हिना के पिता का निधन दिल का दौरा पड़ने से हुआ था। पिता के निधन की खबर मिलते ही हिना वापस मुंबई आई थीं। पिता के निधन के बाद से हिना ने सोशल मीडिया से दूरी बना ली है। उनका अकाउंट उनकी टीम हैंडल कर रही है। हिना अक्सर अपने पिता के साथ फोटोज शेयर करती थीं।

शरमन जोशी

इस साल जनवरी में शरमन जोशी के पिता व अभिनेता अरविंद जोशी इस दुनिया को अलविदा कह गए थे। जोशी को खासकर गुजराती थिएटर एक्टर और डायरेक्टर के तौर पर जाना जाता था। अरविंद ने बॉलीवुड में बतौर अभिनेता व असिस्टेंट डायरेक्टर भी काम किया था।

गौहर खान

बीते महीने मार्च में गौहर खान के पिता जफर अहमद खान ने भी इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। मुंबई के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था और यहीं पर उन्होंने अंतिम सांस ली थी। गौहर ने सोशल मीडिया पर अपना दुख जाहिर किया था।

पारस कलनावत

टीवी के मशहूर धारावाहिक अनुपमा में समर का किरदार निभा रहे अभिनेता पारस कलनावत के पिता का भी मार्च में निधन हो गया था।पारस कलनावत के पिता का निधन हार्ट अटैक के चलते हुआ था।

आशीष मेहरोत्रा

धारावाहिक अनुपमा में समर का किरदार निभा रहे अभिनेता पारस कलनावत के अलावा इस कार्यक्रम में रूपाली गांगुली के बड़े बेटे का किरदार निभाने वाले कलाकार आशीष मेहरोत्रा पर भी ये साल कहर बनकर टूटा। आशीष ने सोशल मीडिया पर पिता को याद किया था।

अर्जुन कपूर ने बयां किया माता-पिता के तलाक का दर्द, बोले- मैं 16 की उम्र में 150 किलो का था

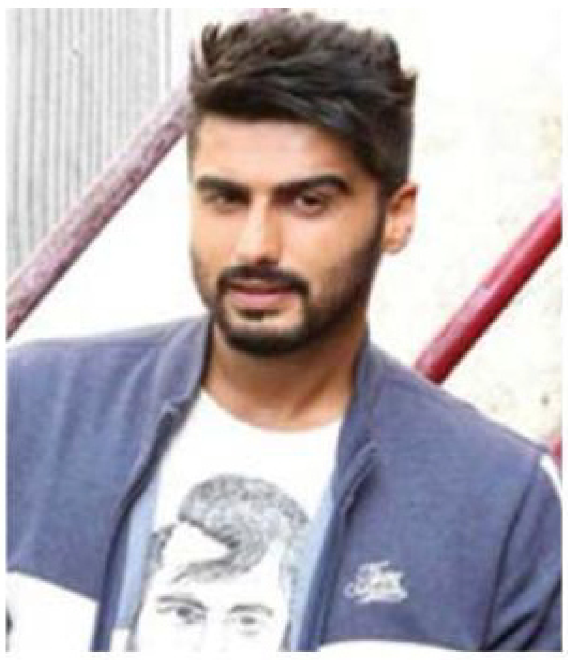

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने इन दिनों अपनी फिल्म के साथ-साथ एक खास शो को लेकर भी बिजी हैं। वो नेटफ्लिक्स ऑरिजनल शो में अपनी कुकिंग स्किल्स दिखा रहे हैं। वहीं इसी शो के दौरान अर्जुन कपूर ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी कुछ बातें शेयर की है। उन्होंने अपने माता-पिता बोनी कपूर और मोना कपूर के तलाक से लेकर अपने बढ़े वजन और फिटनेस पर खुलकर बातें कीं। अर्जुन कपूर ने बताया कि किस तरह वो माता-पिता के अलग होने के दौरान खाने में सुकून ढूंढने लगे थे। बोनी और मोना कपूर का तलाक 1996 में हुआ था।

कोई रोकने वाला नहीं

स्टार वर्सेस फूड के एक एपिसोड के दौरान अर्जुन कपूर ने इस पर बात करते हुए कहा- जब मेरे माता-पिता अलग हुए थे, मैं खाने में सुकून ढूंढने लगा था। मैं इससे एक तरीके से इमोशनल तौर पर जुड़ गया था, इसलिए मैंने खाना शुरू कर दिया था, और तब मैं खाने को खूब इंजॉय करने लगा। उन्होंने बताया कि एक प्वाइंट के बाद जब आपको कोई रोकने वाला नहीं हो तो इसे छोड़ना मुश्किल हो जाता है। आपकी मां आपसे प्यार करती हैं लेकिन उन्हें लगता है कि बच्चा है और यही खाने की उम्र है।

16 की उम्र में 150 किलो

अर्जुन ने बताया कि एक ऐसा वक्त आ गया था जब मुझे अस्थमा हो गया था, मुझे इसकी वजह से कई इंजरी भी हुईं और मैं 16 की उम्र में 150 किलो का हो गया था। उन्होंने बताया कि उन्हें चावल और मिठाई बेहद पसंद है लेकिन 2 सालों से उन्होंने ये छोड़ दिया है। उन्होंने बताया कि मैंने दीवाली पर बिरियानी खाई थी और एक टब आइस्क्रीम खाई थी और कहा था बस। बता दें कि 2012 में फिल्म इश्कजादे में डेब्यू से पहले उन्होंने 50 किलो से भी ज्यादा वजन घटाया था।

प्रियंका चोपड़ा के बाद निक जोनस ने मांगी भारत के लिए मदद, फैन्स ने लिखा- थैंक यू जीजू

प्रियंका चोपड़ा बीते कई दिनों से भारत में कोरोना से मची तबाही पर लोगों की मदद मांग रही हैं। अब निक जोनस ने अपने फैन्स और फॉलोअर्स से भारत का सहयोग करने के लिए कहा है। प्रियंका चोपड़ा और निक अपने प्रियंका चोपड़ा फाउंडेशन के जरिये सपोर्ट जुटा रहे हैं।

गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में निक ने लिखा, भारत को हमारी मदद की जरूरत है। प्लीज आप जो दे सकते हैं दीजिए। आई लव यू इंडिया। फैन्स ने कॉमेंट सेक्शन में निक जोनस का आभार जताया और लिखा, बहुत-बहुत शुक्रिया... भारत भी आपको प्यार करता है। एक और यूजर ने लिखा, थैंक यू जीजू।

प्रियंका लगा रहीं मदद की गुहार

प्रियंका चोपड़ा इस वक्त लंदन में हैं। अपने इंस्टाग्राम वीडियो में वह ग्लोबल कम्यूनिटी से दरख्वास्त कर चुकी हैं कि उनके देश का साथ दें। उन्होंने कहा था, हमें केयर करने की जरूरत क्यों है? यह अभी इतना अर्जेंट क्यों है? मैं लंदन बैठी हूं और भारत में अपने परिवार और दोस्तों से सुन रही हूं कि अस्पतालों की क्या स्थिति है, आईसीयू में जगह नहीं, एंबुलेंस बिजी हैं, ऑक्सीजन सप्लाई नहीं है, कब्रिस्तानों में लाशों की भीड़ है क्योंकि बड़ी संख्या में मौतें हो रही हैं। भारत मेरा घर है और भारत से लहू बह रहा है।

फातिमा सना शेख हो चुकी हैं कास्टिंग काउच का शिकार, कहा- काम के बदले...

हाल ही में बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने इस बात की जानकारी दी कि वो कुछ वक्त के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही हैं। फातिमा के सोशल मीडिया से ब्रेक लेने से उनके फैन्स थोड़े से मायूस भी हो गए हैं, हालांकि सोशल मीडिया पर ही उन्होंने फातिम के इस फैसले को पूरा समर्थन भी दिया। सोशल मीडिया से ब्रेक लेने के पोस्ट्स के बाद से ही फैन्स अभिनेत्री के बारे में अधिक से अधिक जानना चाह रहे हैं।

फातिमा ने जड़ा थप्पड़

पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में फातिमा ने एक किस्से का जिक्र करते हुए बताया,मैं रास्ते में जा रही थी, जिम के बाद। एक लड़का आया और वो घूर रहा था, तो मैंने बोला- घूर क्या रहा है। वो बोला- घूरूंगा मेरी मर्जी। मैंने कहा- मार खानी है। वो बोला- हां मार। फातिमा ने आगे इंटरव्यू में आगे कहा कि दोनों के बीच की ये जुबानी बहस आगे बढ़ गई और अभिनेत्री ने लड़के के थप्पड़ जड़ दिया।

दोस्ताना 2 के बाद कार्तिक आर्यन ने फिल्म फैंटम में काम करने से किया मना, रिपोर्ट

फिल्म अभिनेता कार्तिक आर्यन ने जबसे करण जौहर की फिल्म दोस्ताना 2 से बाहर हुए हैं तबसे वह सुर्खियों में छाए हुए हैं। इसी बीच खबर है कि एक्टर ने डायरेक्टर वसन बाला की सुपरहीरो फिल्म फैंटम में भी काम करने से मना कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कार्तिक ने बेहद विनम्रता से फिल्म के ऑफर को ठुकरा दिया है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक ने पहले इस फिल्म में काम करने के लिए हामी भरी थी। हालांकि फिल्म के क्रिएटिव डिफ्रेंसेज होने के कारण एक्टर ने काम करने से मना कर दिया है। फैंटम को रॉनी स्क्रूवाला की प्रोड्क्शन कंपनी RSVP प्रोड्यूस करने वाली है।

कुछ चीजों को लेकर असमंजस में थे कार्तिक - रिपोर्ट के सूत्रों के अनुसार, फिल्म में कुछ ऐसी चीजें थीं जिसपर कार्तिक अपनी सहमति नहीं दे रहे थे। वसन बाला का अपना फिल्म बनाने का एक अलग स्टाइल है और उनकी फिल्में अनोखी होती हैं। इसके बावजूद उनका प्रोजेक्ट कमर्शियल नहीं होता।

जैकलीन फर्नांडीज ने कोरोना के कठिन समय में योग को बताया महत्वपूर्ण

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर योग और प्रणायाम को लेकर एक्सरसाइज टिप्स बताई, जो लॉकडाउन से निपटने का एक प्रभावी तरीका है। इस दौरान उन्होंने ब्रीदिंग यानी सांस लेने के सही तरीके पर भी चर्चा की। जैकलीन ने लिखा कि ब्रीथवर्क (प्राणायाम) विशेष रूप से इस कठिन समय में हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा ही महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही जैकलीन ने योग करते हुए खुद की एक तस्वीर भी पोस्ट की।

जैकलीन के पास फिलहाल कई प्रोजेक्ट्स हैं आने वाले महीनों में उनका शेड्यूल काफी व्यस्त है। वह भूत पुलिस, बच्चन पांडे और राम सेतु जैसी फिल्मों में दिखाई देंगी।

इरफान खान की पहली पुण्यतिथि पर इमोशनल हुईं राधिका मदान, शेयर की अनसीन फोटो

बॉलीवुड एक्टर इरफान खान पिछले साल 29 अप्रैल को अचानक इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके गए हुए एक साल हो गया है। आज उनकी पहली पुण्यतिथि पर उनके चाहने वाले उन्हें याद कर सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इसी बीच एक्ट्रेस राधिका मदान ने अपने ऑनस्कीन पिता को याद करते हुए एक लंबा इमोशनल पोस्ट साझा किया है। साथ ही साथ इरफान के साथ एक्ट्रेस ने एक अनसीन फोटो भी शेयर की है।

गौरतलब है कि राधिका मदान ने इरफान खान की आखिरी फिल्म अंग्रेजी मीडियम में बेटी का रोल प्ले किया था। राधिका ने फिल्म की एक तस्वीर साझा की जिसमें वह इरफान की दाढ़ी के साथ खेलती नजर आ रही है।

इरफान के साथ बिताए गए पलों को याद कर हुई इमोशनल - इरफान खान के साथ बिताए गये पलों को याद करते हुए राधिका मदान ने पोस्ट में लिखा, मुझे याद है कि मैं शॉट से पहले आपकी दाढ़ी के साथ खेल रही थी और आपने मुझसे कहा कि तुम्हें पता है कि शायद यही कारण है कि चंपक ने अपनी दाढ़ी नहीं काटी होगी ... वह बिल्कुल ऐसा था! और हम हंसने लगे।

इरफान से बहुत की सिखना चाहती थीं राधिका मदान - राधिका आगे लिखती हैं कि हमने अपनी यादों का एक पूल बनाया था, जिसमें हमारे अपने बुलबुले थे, जहां कोई शब्द नहीं थे। हमने जोर-जोर से बातें की। मैं आपसे बहुत कुछ सीखना चाहती थी। लेकिन आपने अनजाने में अपनी फैन गर्ल को हर दिन जीवन या कला के बारे में पढ़ा दिया।

आईपीएल में आज सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत के इरादे से उतरेगी मुंबई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को गत विजेता मुंबई इंडियन्स की टीम सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत के इरादे से उतरेगी। अब तक के प्रदर्शन को देखा जाये तो मुम्बई की टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। मुंबई ने अपने पिछले मैच में कीरोन पोलार्ड की शानदार पारी से चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को 4 विकेट से हराया। ऐसे में वह अंतिम स्थान पर चल रही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स को अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा था, ऐसे में उसका मनोबल गिरा हुआ है। इस सत्र में राजस्थान टीम की सात मैचों में छठी हार है। टीम के खराब प्रदर्शन के कारण ही उसकी कप्तानी डेविड वार्नर की जगह केन विलियमसन को दे दी गयी है। अब देखना है कि विलियमसन टीम का भाग्य बदल पाते हैं या नहीं।

मुंबई को कप्तान रोहित शर्मा और क्विंटन डिकॉक से एक बार फिर बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। टीम का मध्यक्रम हालांकि पिछले दो मैचों में प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाया था। टीम के लिए अच्छी बात यह है कि पोलार्ड ने पिछले मैच में शानदार पारी खेली थी और वे इसे अगले मैच में भी बरकरार रखना चाहेंगे।

मुम्बई के पास कृणाल पांड्या , हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव जैसे शानदार बल्लेबाज हैं जो विरोधी टीम की गेंदबाजी को धवस्त करने में सक्षम हैं। इस मैच में मुंबई की टीम जेम्स नीशाम की जगह इशान किशन या जयंत यादव में से एक को अवसर दे सकती है। नीशाम का प्रदर्शन अबतक अच्छा नहीं रहा है।

मुंबई के पास राहुल चाहर जैसा शानदार स्पिनर है। चाहर को कुणाल से भी सहयोग की उम्मीद रहेगी।

पोलार्ड ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी और वह पांचवें व छठे गेंदबाज की भूमिका निभा सकते हैं। दूसरी ओर सनराइजर्स की राह बेहद कठिन है। टीम अपने शीर्ष क्रम के खिलाड़ी जॉनी बेयरस्टो पर ही आधारित रही है। इसके अलावा उसके मध्यक्रम के खिलाड़ी विफल रहे हैं।

रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में वार्नर की जगह मनीष पांडे और बेयरस्टो ने पारी की शुरूआत की थी जबकि विलियमसन तीसरे नंबर पर आए। टीम अगर इसी क्रम को बनाये रखती है तो इन तीनों को लंबी पारियां खेलनी होंगी। इसके अलावा विजय शंकर , केदार जाधव , अब्दुल समद और मोहम्मद नबी को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

टीम की ओर से लेग स्पिनर राशिद खान ही अब तक प्रभावशाली गेंदबाज साबित हुए है। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और खलील अहमद का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। इस मैच में संदीप शर्मा की जगह सिद्धार्थ कौल को अवसर मिल सकता है। कुल मिलाकर देखा जाये तो अगर सनराइजर्स को यह मैच जीतना है तो उसे गेंद और बल्ले दोनो ही ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दोना टीमें इस प्रकार हैं :

मुंबई इंडियंस : रोहित शर्मा (कप्तान), एडम मिल्ने, आदित्य तारे, अनमोलप्रीत सिंह, अनुकुल रॉय, अर्जुन तेंदुलकर, क्रिस लिन, धवल कुलकर्णी, हार्दिक पंड्या, इशान किशन, जेम्स नीशाम, जसप्रीत बुमराह, जयंत यादव, कीरोन पोलार्ड, कृणाल पंड्या, मार्को जेनसन, मोहसिन खान, नाथन कोल्टर नाइल, पीयूष चावला, क्विंटन डिकॉक, राहुल चाहर, सौरभ तिवारी, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट और युद्धवीर सिंह।

सनराइजर्स हैदराबाद : केन विलियमसन (कप्तान), डेविड वार्नर, जॉनी बेयरस्टो, मनीष पांडे, श्रीवत्स गोस्वामी, रिद्धिमान साहा, प्रियम गर्ग, विजय शंकर, अभिषेक शर्मा, अब्दुल समद, विराट सिंह, जेसन होल्डर, मोहम्मद नबी, राशिद खान, शाहबाज नदीम, भुवनेश्वर कुमार, संदीप शर्मा, खलील अहमद, सिद्धार्थ कौल, बासिल थम्पी, जगदीश सुचित, केदार जाधव और मुजीब उर रहमान।

बार्सिलोना (स्पेन) में पेरिस सेंट जर्मेन क्लब को हराने के बाद उत्साहित एफ सी बार्सिलोना क्लब की खिलाड़ी।

स्पेन में मोटो जीपी रेस में जीत के बाद उत्साहित ऑस्ट्रेलियाई राइडर जैच मिलर को देखते हुए दर्शकों का एक समूह।

दिल्ली के फुटबॉल प्रशासक और हिंदुस्तान एफसी के मालिक डीके बोस का निधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अनुभवी फुटबॉल प्रशासक और हिन्दुस्तान एफसी के मालिक दिलीप कुमार बोस का कोविड-19 से जूझने के बाद स्थानीय अस्पताल में निधन हो गया। बोस का शनिवार शाम वसंत कुंज के इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर में निधन हुआ। उनकी उम्र 70 बरस से अधिक थी। बोस के परिवार के अधिकांश सदस्य इस समय इस घातक संक्रमण से जूझ रहे हैं। बोस के पिता का निधन 29 अप्रैल को हुआ और उसी दिन उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बोस कई वर्षों तक दिल्ली सॉकर संघ की कार्यकारी समिति का हिस्सा रहे।

फुटबॉल दिल्ली ने बोस के निधन पर शोक जताया। फुटबॉल दिल्ली के अध्यक्ष शाजी प्रभाकरन ने कहा, खेल के लिए उनके जुनून और समर्पण की तुलना नहीं की जा सकती। उन्होंने दिल्ली में फुटबॉल के लिए काफी योगदान दिया और अपनी कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और समर्पण से भारत में हिंदुस्तान एफसी का नाम बनाया। उन्होंने कहा, उनका निधन निजी क्षति है। मैं 20 वर्ष से अधिक समय से उन्हें जानता हूं। हम डीके बोस बो क्षमतावान प्रशासक के रूप में याद रखेंगे जिन्होंने खेल को सब कुछ दिया। दिल्ली फुटबॉल के लिए उनकी जगह की भरपाई करना मुश्किल होगा। हमें उनकी कमी खलेगी।

आईपीएल में भी कोरोना महामारी का साया

मुम्बई, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोरोना संक्रमण के मामले सामने आये हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के दो खिलाड़ियों वरूण चक्रवर्ती और संदीप वारियर के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन, गेंदबाजी कोच एल बालाजी और स्टाफ का एक अन्य सदस्य भी पॉजिटिव पाया गया हालांकि दूसरे परीक्षण में ये सीससके के ये तीनो लोग नेगेटिव पाये गये।

वहीं केकेआर के दो खिलाड़ियों के संक्रमित पाये जाने के बाद सोमवार को होने वाला मैच स्थगित कर दिया गया। यह मैच अब किसी अन्य दिन खेला जाएगा। दोनो ही खिलाड़ियों वरूण और संदीप को पृथकवास में भेज दिया गया है।

आईपीएल ने कहा, पिछले चार दिन में तीसरे दौर के परीक्षण में वरूण और संदीप पॉजिटव पाए गए पर टीम के अन्य सभी सदस्य कोविड-19 के लिए नेगेटिव पाए गए हैं।

इसके अलावा दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान के कुछ मैदानकर्मी भी पॉजिटिव पाए गए हैं। इसी मैदान पर मंगलवार को मुंबई इंडियन्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होना है। वहीं इसको लेकर दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा कि संक्रमितों में कोई भी मैदानकर्मी वह नहीं है जिसे मैदान पर जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

जहां बीसीसीआई लगातार कहा रहा है कि लीग जारी रहेगी, वहीं दूसरी ओर सामने आये इन मामलों से लीग को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

लेग स्पिनर वरूण चक्रवर्ती और संदीप को अभी पृथकवास में भेज दिया गय है। टीम के सभी अन्य सदस्यों की रिपोर्ट नेगेटिव है जो राहत की बात है। संदीप ने इस सत्र में अब तक एक भी मैच नहीं खेला है।

आईपीएल की ओर से आये एक बयान के अनुसार, मेडिकल टीम लगातार दोनों के संपर्क में है और उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है। साथ ही कहा कि केकेआर की हर दिन जांच होगी जिससे कि किसी अन्य संभावित मामले की पहचान के साथ ही समय पर इलाज हो सकेगा।

साथ ही कहा, मेडिकल टीम साथ ही पॉजिटिव नतीजों के नमूने एकत्रित करने से 48 घंटे पहले तक दोनों पॉजिटिव खिलाड़ियों के संपर्क में आने वाले लोगों की भी पहचान कर रही है।

आईपीएल की कोविड-19 से जुड़ी मानक संचालन प्रक्रिया के तहत संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने वाले व्यक्ति को छह दिन के लिए पृथकवास में रहना होगा और इस दौरान पहले, तीसरे और छठे दिन उसके परीक्षण के नतीजे नेगेटिव आने चाहिए।

धवन आईपीएल में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

अहमदाबाद, (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ मुकाबले में अपनी शानदार अर्धशतकीय पारी के साथ ही दो अहम रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इसी के साथ ही धवन आईपीएल में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने के मामले में दूसरे स्थान पर आ गये हैं। इसके अलावा वह दिल्ली कैपिटल्स की ओर से श्रेयस अय्यर के सबसे ज्यादा अर्धशतक बनाने के रिकार्ड की भी बराबरी पर आ गये हैं।

धवन आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। उन्होंने दिल्ली कैपटिल्स की ओर से 16 अर्धशतक लगाते हुए अय्यर की बराबरी की है जिन्होंने दिल्ली की ओर से 16 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं इस मामले में पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग तीसरे स्थान पर हैं। सहवाग ने 15 अर्धशतक लगाए हैं जबकि चौथे नम्बर पर दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत हैं जिन्होंने अभी तक 14 अर्धशतक लगाए हैं।

इसके साथ ही धवन आईपीएल में भी सबसे ज्यादा बार 50 से अधिक रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। पंजाब के खिलाफ अर्धशतक लगाते ही उनके आईपीएल में कुल 46 अर्धशतक हो गए हैं। इस मामले में कोहली तीसरे स्थान पर हैं जिनके कुल 45 अर्धशतक हैं। वहीं पहले नंबर पर डेविड वार्नर का नाम आता है जिन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा 54 अर्धशतक लगाए हैं।

वर्ल्ड टी-20 : 9 की जगह 5 शहरों में होगा टी-20 विश्व कप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में बढ़ते कोरोना मामलों के बीच बीसीसीआई को यकीन है कि टी-20 विश्व कप अक्तूबर में भारत में ही होगा। हालांकि इसे 9 की बजाय 5 शहरों में कराया जा सकता है। आईसीसी बैकअप में विकल्प तैयार रखता है। पिछले एक साल से वह विकल्प यूएई है। आईपीएल इस समय बायो-बबल में हो रहा है लेकिन बीसीसीआई के सामने असल चुनौती टी20 विश्व कप प्रतिकूल परिस्थितियों में कराने की है।

बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि अभी पांच महीने का समय है। लोगों को टीके मिल रहे हैं तो विश्व कप भारत में ही होगा। यह हो सकता है कि नौ शहरों की बजाय मैच चार या पांच शहरों में हो। आईसीसी के एक निरीक्षण दल को 26 अप्रैल को दिल्ली आकर आईपीएल के बायो-बबल का जायजा लेना था लेकिन भारत यात्रा पर लगे प्रतिबंध के कारण दौरा स्थगित करना पड़ा। श्रीलंका, बांग्लादेश या दूसरे देशों में आईसीसी टी20 विश्व कप तीन या चार शहरों में ही होता है लेकिन भारत में बोर्ड की राजनीति के कारण ऐसा संभव नहीं है। विश्व कप 2011 और टी20 विश्व कप 2016 क आयोजन से जुड़े रहे बोर्ड के अधिकारी ने कहा, यहां बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली का शहर (कोलकाता), उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का शहर (लखनऊ), सचिव जय शाह का शहर (अहमदाबाद) और कोषाध्यक्ष अरुण धूमल का शहर (धर्मशाला) है। इसके अलावा मुंबई, चेन्नई, दिल्ली, बेंगलोर और हैदराबाद तो हैं ही। भारत में पैर पसार चुके कोरोना वायरस से रोजाना हजारों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। इस बीच देश में आईपीएल का आयोजन भी जारी है। बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया बंद स्टेडियम के भीतर टूनार्मेंट करवा रहा है। खबर ये भी आ रही है कि 18 अक्तूबर से शुरू होने वाला वर्ल्ड टी-20 भारत की जगह यूएई में हो सकता है।

बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि यूएई आयोजन स्थल के रूप में हमारे प्लान का हिस्सा है। अगर अक्तूबर तक हालात नहीं सुधरे और देश में विश्व कप का आयोजन संभव न हुआ तो हम प्लान बी पर काम करेंगे। इस बारे में आईसीसी से भी बात हो रही है। इस साल 18 अक्तूबर से 15 नवंबर के बीच टी-20 विश्व कप का आयोजन होना है। याद हो कि पिछले साल का आईपीएल भी कोरोना संक्रमण के चलते संयुक्त अरब अमीरात में ही हुआ था।

बीसीसीआई ने पिछले साल संयुक्त अमीरात क्रिकेट बोर्ड के साथ एक करार किया है। इस समझौते के तहत यूएई में टी-20 विश्व कप के आयोजन में कोई परेशानी नहीं आएगी। इसका मतलब है, भले ही टूनार्मेंट को यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया हो, इसे आयोजित करने की जिम्मेदारी बीसीसीआई की होगी। साथ ही, मेजबान को उपलब्ध सभी वाणिज्यिक मुद्रीकरण अधिकार बीसीसीआई के पास रहेंगे। अगर ऐसा हुआ तो कोई हैरानी नहीं होना चाहिए क्योंकि भारत कोरोना वायरल की जानलेवा लहर झेल रहा है।

कोरोना पीड़ितों के लिए 50 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर देगा सीए

मेलबर्न, (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि वह भारत में कोरोना महामारी से पीड़ित लोगों की सहायता के लिए 50 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर दान देगा। सीए ने साथ ही कहा कि वह अपने खिलाड़ी संघ तथा यूनिसेफ के साथ मिलकर और भी अधिक बड़ी राशि दान करने का प्रयास करेगा। सीए ने अपने एक बयान में कहा, आस्ट्रेलियाई क्रिकेट महामारी की इस घड़ी में भारत का पूरा सहयोग करेगा। इसके लिए सीए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर संघ और यूनिसेफ के साथ मिलकर सहायता राशि एकत्र करेंगे।

वहीं सीए प्रमुख एक बयान के अनुसार, सीए भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर से फैली तबाही से परेशान है क्योंकि उसके भारत के साथ मित्रता के संबंध हैं। साथ ही कहा कि इस कठिन घड़ी में अपनी ओर से सीए भारत को 50 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का शुरूआती योगदान देगा। इसके साथ ही अपने देश के लोगों से भी सहायता की अपील करेगा।

सीए ने कहा, यूनिसेफ के साथ मिलकर सीए भारत में कोविड-19 संकट के समय गंभीर रूप से बीमार मरीजों के उपचार के लिए अस्पतालों में आक्सीजन संयंत्र, काफी अधिक प्रभावित जिलों में परीक्षण उपकरण उपलब्ध कराने और कोवेक्स पहल के जरिए कोविड-19 टीके के वितरण में सहायता करेगा।

अब निकोलस पूरन, शिखर धवन व उनादकट ने बढ़ाया कोरोना में मदद का हाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के बल्लेबाल निकोल्स पूरन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की कमाई का कुछ हिस्सा कोरोना वायरस महामारी से बुरी तरह से जूझ रहे भारत के लिए दान देने का फैसला किया है। पूरन के साथ ही अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने देश के अस्पतालों के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर और कंसंट्रेटर्स खरीदने के लिए एक एनजीओ (गैर सरकारी संगठन) को 20 लाख रुपये का दान दिया है। राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज जयदेव उनादकट ने भी उन्हें मिलने वाले आईपीएल वेतन का 10 फीसदी दान करने का निर्णय किया है।

भारत में कोविड-19 संक्रमितों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है और गुरूवार को तीन लाख 86 हजार नए संक्रमित मामले सामने आए। पूरन ने भारत के लोगों से जल्द से जल्द टीका (वैक्सीन) लगवाने का अनुरोध किया। ट्विटर पर जारी वीडियो में पूरन ने कहा, अगर आप टीका लगवा सकते हैं तो कृपया इसे करिए, मैं अपने हिस्सा का काम करूंगा जिसमें भारत के लिए प्रार्थना करना जारी रखने के साथ इस संकट से उबरने के लिए अपने आईपीएल वेतन का एक हिस्सा दान करना चाहूंगा। वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करने वाले 25 साल के इस क्रिकेटर को पता है कि इस संकट से देश की स्वास्थ्य प्रणाली भी जूझ रही है। उन्होंने कहा, मैं दुनिया भर में अपने सभी प्रशंसकों एवं समर्थकों को बताना चाहता हूं कि मैं भारत में आईपीएल (बायो-बबल) में सुरक्षित और बेहतर स्थिति में हूं, लेकिन इस तरह की त्रासदी के इतने करीब होना भी हमारे दिलों को तोड़ने वाली बात है। एक ऐसे देश के लिए जिसने हमें वर्षों से इतना प्यार और समर्थन दिखाया है, मैं अपने साथी खिलाड़ियों के साथ मिलकर भारत में इस स्थिति को लेकर कुछ जागरूकता लाने में मदद कर सकता हूं। मौजूदा सत्र में पंजाब किंग्स के लिए छह मैच खेलने वाले पूरन से पहले उनकी फ्रेंचाइजी ने भी ऑक्सीजन कनसंट्रेटर्स दान करने का वादा किया था। पूरन ने कहा, अब भी कई अन्य देश महामारी से प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन भारत में मौजूदा स्थिति बेहद गंभीर है। मैं इस विकट स्थिति में वित्तीय सहायता के साथ जागरूकता लाने में अपनी भूमिका निभाऊंगा।

इससे पहले दिग्गज सचिन तेंडुलकर ने भी ऑक्सीजन इंडिया नाम की इस एनजीओ को एक करोड़ रुपए का दान दिया था। ऑक्सीजन इंडिया का संचालन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनजीओ) के 250 कारोबारियों द्वारा संचालित किया जाता है।

पोलैंड में मैट्रो रिले वूमंस फाइनल में भाग लेती हुई रोस मैरी , ज्यूरियन हेकावेरिया व लिसनीडी वेटिया।

लियोनल मेस्सी ने इंग्लैंड फुटबॉल के सोशल मीडिया बहिष्कार का समर्थन किया

बासीलीना, (एजेंसी)। लियोनल मेस्सी ने 20 करोड़ फॉलोअर्स वाले अपने सोशल मीडिया मंच का इस्तेमाल आनलाइन दुर्व्यवहार के खिलाफ कार्रवाई की मांग के लिए किया है। बासीलीना के इस फारवर्ड ने शनिवार को उस समय यह संदेश पोस्ट किया जब इंग्लैंड फुटबॉल लीग, क्लबों और खिलाड़ियों ने आनलाइन नस्ली उत्पीड़न और भेदभाव के खिलाफ सोशल मीडिया का 4 दिवसीय बहिष्कार शुरू किया।

मेस्सी भी इस दौरान चुप नहीं रहे। उन्होंने सोशल मीडया पर दुर्व्यवहार और भेदभाव के खिलाफ अभियान के विचार के लिए ब्रिटेन के फुटबॉल से जुड़े सभी लोगों को इंस्टाग्राम के जरिए बधाई दी। मेस्सी ने अपने फॉलोअर्स के लिए स्पेनिश में लिखा, आप प्रत्येक प्रोफाइल के पीछे के व्यक्ति को महत्व दें जिससे कि हम सभी महसूस करें कि प्रत्येक अकाउंट के बीच हाड़-मांस का व्यक्ति है जो हंसता है, रोता है, जीवन का लुत्फ उठाता है और कष्ट सहन करता है। मेस्सी ने फेसबुक, ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया कंपनियों से अधिक प्रयास करने को कहा।